दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

41 श्रमिक निकाले... लौटी जिंदगी

बेधड़क | उत्तरकाशी

उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग में पिछले 16 दिन से फंसे सभी 41 श्रमिकों को मंगलवार को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि श्रमिकों को एक-एक करके 800 मिमी के उन पाइपों के जरिए बाहर निकाला गया, जिन्हें मलबे में ड्रिल करके अंदर डालकर एक रास्ता बनाया गया था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से ये श्रमिक 12 नवंबर यानी दीपावली के दिन से फंसे हुए थे। जैसे ही मजदूर सिलक्यारा सुरंग से बाहर निकले, वहां मौजूद लोगों ने नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे पूरी सुरंग और बाहर का इलाका 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल (रिटायर) वीके सिंह घटना स्थल पर मौजूद रहे और बाहर निकाले गए मजदूरों से मुलाकात की

और अपने गले लगाया। मजदूरों को बाहर निकाले जाने के बाद सुरंग के बाहर खड़ी एंबुलेंस के जरिए उन्हें सिलक्यारा से 30 किलोमीटर दूर चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बनाए गए अस्पताल में ले जाया गया।

■ पेज 8 भी देखें

रैट होल माइनिंग एक्सपर्ट्स की ली मदद

बता दें कि मजदूरों को निकालने के लिए वर्टिकल, हॉरिजॉन्टल और साइड से ड्रिलिंग की गई थी। इसके बाद आखिर में सुरंग खोदकर मलबा हटाने के लिए रैट होल माइनिंग एक्सपर्ट्स की मदद भी ली गई थी, जिन्होंने मैन्युअली मलबा हटाकर मजदूरों को बाहर निकाला।

सच बेधड़क व्यू...

41 श्रमिक, 17 दिन से एक ऐसे पाताल में फंसे थे, जहां उनके दिल में मौत की दहशत थी, मगर जिजीविषा उससे भी बढ़कर थी, जिसने उनके हौसले को पस्त नहीं होने दिया। उनमें से जिसका दिल पस्त होने लगा होगा, जाहिर है दूसरे साथियों ने उसे संभाला होगा, नतीजतन वे सभी सकुशल, सुरक्षित बाहर निकले तो मौत की दहशत की जगह उनके होंठों पर जिंदगी की मुस्कान थी। अलबत्ता, यह हादसा यह तो सीख दे ही गया कि हम अगर चांद के साउथ पोल पर उतर सकते हैं, परमाणु परीक्षण कर सकते हैं, तो ऐसे हादसों से तत्काल निपटने का तंत्र विकसित क्यों नहीं कर पाते, बस इरादे की ही तो देर है, असंभव कुछ भी नहीं है। उम्मीद की जा सकती है कि आगे से जब भी ऐसे रिस्की प्रोजेक्ट बनें, उन पर काम शुरू करने से पहले उन्हें पूर्ण सुरक्षित बनाएं और तमाम हालात के मद्देनजर प्लान ए,बी,सी तैयार रखें, ताकि जिंदगियां सुरक्षित रहें। यही दूरदर्शिता हमें सफल बनाएगी। लिखा था... सच बेधड़क ने...

सुरंग नहीं... धंसी हमारी दूरदर्शिता

सच बेधड़क
22 नवंबर 2023 को प्रकाशित

जरूरी खबर

चीन: कोयला खदान में विस्फोट, 11 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वोत्तर हिलोंगजियांग प्रांत में मंगलवार को कोयले की एक खदान में जबर्दस्त विस्फोट होने से 11 लोगों की मौत हो गई। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि खदान में जबर्दस्त धमाका हुआ, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार इस खदान का संचालन करने वाली शुयांगयाशान कोल कंपनी पर अतीत में कई सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने को लेकर जुर्माना लगाया जा चुका है। सरकार समर्थित मीडिया कंपनी के अनुसार, इस साल भी उस पर दस बार जुर्माना लगाया गया।

222 बनाकर भी भारत कंगारुओं से 5 विकेट से हारा

गुवाहाटी। यहां बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को ग्लेन मैक्सवेल ने रुतुराज गायकवाड़ के शतक पर पानी फेरते हुए ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में 5 विकेट से जीत दिला दी। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 222 रन बनाए थे। इंडिया के लिए गायकवाड़ ने ने 215.79 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 123 रनों की नाबाद पारी खेली थी, जो भारत के काम नहीं आ सकी। मैक्सवेल ने 48 गेंदों में 8 चौके और 8 छक्कों की मदद से 104 रन की नाबाद पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे मुकाबले में जीत हासिल कर खुद को सीरीज में 1-2 से बनाए रखा है।

ये भी देखें...

बुलंदी छूने की चाहत के बीच बन रहे जान के दुश्मन
पेज-2

मॉर्निंग टी और डिनर के साथ सर्द रात में बसेरा
पेज-3

मतगणना पर नजर: रिजल्ट के बाद कई बड़े अधिकारी हो सकते हैं इधर-उधर

प्रत्याशियों के साथ अफसरों का भविष्य भी ईवीएम में कैद

कौन-सी पार्टी बनाएगी सरकार, इससे तय होगी पोस्टिंग

ओमप्रकाश शर्मा | जयपुर

प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड तोड़ 75.45 फीसदी मतदान हुआ है। तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव के परिणाम आएंगे। चाक-चौबंद सुरक्षा में बंद प्रदेश भर की ईवीएम में प्रत्याशियों के साथ में पुलिस के बड़े अफसरों की पोस्टिंग का भविष्य भी कैद है। इनमें डीजीपी, पुलिस कमिश्नर, मुख्य सचिव व कमिश्नर समेत कई उच्चाधिकारी शामिल हैं। यही वजह है कि अधिकारी वर्ग अपने स्तर पर सर्वे करने में जुटा है। परंपरानुसार देखें तो कांग्रेस सत्ता में आने पर आईएएस व आईपीएस अफसरों की पहली लिस्ट जनवरी माह में आएगी और अगर भाजपा सरकार बनती है तो पहली लिस्ट दिसंबर माह में ही आ जाएगी।

चुनाव परिणाम को लेकर प्राइम पोस्टिंग पर बैठे अफसरों की धड़कनें भी बढ़ी

CS उषा शर्मा...

मुख्य सचिव पद पर सरकार ने कई अफसर सीनियर होने के बाद भी उषा शर्मा को लगाया था।

उनको रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले एक साल का एक्सटेंशन दिया गया। शर्मा सरकार के काफी करीबी मानी जाती हैं। ऐसे में अगर अब भाजपा सत्ता में आती है तो शर्मा का हटना तय है और कांग्रेस सरकार ने ही रिपीट किया तो शर्मा की पोस्टिंग यथावत रहेगी। भाजपा चुनाव के दौरान उन्हें हटाने की मांग कर भी चुकी है।

पुलिस कमिश्नर- बीजू जॉर्ज जोसफ

बीजू जॉर्ज जोसफ को सरकार ने पुलिस कमिश्नर के पद पर कुछ माह पहले ही लगाया था। चर्चा है कि जोसफ दिल्ली नेटवर्क और भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई नेताओं के संपर्क में थे। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद इस पर पहली बार एडीजी रैंक के अफसर को लगाया गया है। इससे पहले इस पर पद पर आईजी रैंक के अफसर ही लगते थे। हालांकि, पदोन्नति होने के बाद आईजी से एडीजी बनने पर भी अफसरों की पोस्टिंग यथावत रही थी।

डीजीपी उमेश मिश्रा...

उमेश मिश्रा लंबे समय तक पुलिस मुख्यालय में इंटेलीजेंस शाखा में एडीजी और फिर डीजी के पद पर रहे। इंटेलीजेंस में तैनात अफसर सरकार के काफी करीबी होते हैं। साथ ही माना जा रहा है कि कांग्रेस सरकार पर आए संकट के दौरान मिश्रा ने सरकार बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीजी यूआर साहू उनसे एक बैच सीनियर थे, लेकिन सरकार ने उन्हें डीजीपी नियुक्त किया। अगर अब भाजपा सरकार सत्ता में आती है तो डीजीपी का बदलना तय है और कांग्रेस सरकार रिपीट होती है तो उनकी पोस्टिंग यथावत रहनी तय मानी जा रही है। डीजीपी का दो साल का कार्यकाल निर्धारित किया है, लेकिन पिछले दिनों यूपी सरकार ने डीजीपी को कुछ माह बाद ही हटा दिया था।

एसीबी डीजी-रिक्त

एसीबी में डीजी का पद करीब एक साल से रिक्त चल रहा है। बतौर कार्यवाहक डीजी एडीजी हेमंत प्रियदर्शी के पास इस पद की जिम्मेदारी है। प्रियदर्शी प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। वे एक माह बाद ही वापस आ गए थे, तब सरकार ने उनको पांच डीजी रैंक के अफसरों होने के बावजूद उन्हें यह जिम्मा दिया था।

सत्ता में बदलाव या रिपीट पर निर्भर

सचिवालय के गलियारों में चर्चा है कि अगर भाजपा बनती है तो डीजी रैंक के अफसर यूआर साहू, जंगा श्रीनिवास राव, रवि प्रकाश मेहरड़ा, एडीजी संजय अग्रवाल, वीके सिंह, विशाल बंसल, बिपिन पांडे व आईजी विकास कुमार को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, इंटेलीजेंस, क्राइम ब्रांच, कानून व्यवस्था, विजिलेंस, एसओजी में एडीजी रैंक के अफसर भी बदल सकते हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस सरकार रिपीट होती है तो इन अफसरों की पोस्टिंग में कोई बदलाव नहीं होगा। कई अफसरों की भाजपा सरकार में पोस्टिंग मुख्यमंत्री कौन बनता है, इस पर भी निर्भर रहेगी।

बदला मौसम का मिजाज: राजधानी में दिनभर छाए रहे बादल, मौसम विभाग का अलर्ट

आगामी 2 दिनों में होगी पारे में गिरावट, बढ़ेगी सर्दी

बेधड़क | जयपुर

पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला है। मंगलवार को राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में बादल छाए रहे। तापमान में गिरावट के चलते लोगों को सर्दी का अहसास हुआ। राजधानी में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री व अधिकतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया। शहर में दिनभर बादलों की आवाजाही के चलते कोहरा छाया रहा। हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इधर, मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर बताया कि आगामी 2 से 3 दिन प्रदेश में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इधर, राजधानी में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 14 डिग्री व अधिकतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य में मंगलवार को जयपुर, भरतपुर संभाग के जिलों में आसमान में बादल छाए रहे। वहीं, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और हाड़ौती के विभिन्न जिलों में मंगलवार सुबह से घना कोहरे के कारण विजिबिलिटी काफी कम रही। इस कारण सड़क मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार पूर्वी राजस्थान के भरतपुर,जयपुर व कोटा संभाग के कुछ इलाकों में अगले तीन से चार दिन बादल छाए रहेंगे तथा हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि बुधवार से मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसी प्रकार आगामी 2-3 दिन राज्य के कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री गहलोत का तेलंगाना दौरा

कांग्रेस की पांचों राज्यों में जीत का भरोसा

बेधड़क | हैदराबाद

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस तेलंगाना समेत उन पांचों राज्यों में सरकार बनाएगी, जहां विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना तीन दिसंबर को होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं के विरुद्ध केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

गहलोत ने जमीनी आकलन का हवाला देते हुए मीडिया के समक्ष दावा किया कि कांग्रेस हर जगह जीतेगी। उन्होंने कहा कि यदि तेलंगाना में 10 साल पहले कांग्रेस की सरकार बन जाती तो यह बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंच जाता। गहलोत ने कहा कि अब बीआरएस और भाजपा के बीच गुप्त तालमेल है। राजस्थान में पेपर लीक संबंधी पीएम मोदी के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना से भी इस तरह की खबरें आती रही हैं। राजस्थान में पेपर लीक पर उम्रकैद की सजा है। गहलोत ने केंद्र सरकार पर ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पहले ईडी को भेजो... धमकाओ। फिर दोस्त बनाओ। प्रदेशों में चुनी हुई सरकारों को अपदस्थ कर दिया गया, राजस्थान में फेल हो गए।

एसीबी की एफआईआर में चौंकाने वाला खुलासा

'SP, Add. SP, डिप्टी मैम और डबोक SHO... सब में बंटेंगे पैसे!'

- घूस मामले में हेडकांस्टेबल व परिवादी के बीच हुई यह बातचीत
- NDPS एक्ट के मामले में 8 लाख की रिश्वत का प्रकरण
- घूस के लिए 2.45 लाख के मिलाए मनोरंजन बैंक के नोट

बेधड़क | जयपुर

एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में आठ लाख रुपए की घूस प्रकरण संबंधी एसीबी की जांच में नया मोड़ आ गया है कि घूस की राशि का एसपी, एडिशनल एसपी, डिप्टी एसपी और एसएचओ, जांच अधिकारी सभी में बंटवारा होता था। यह खुलासा एसीबी द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में हुआ है। हालांकि, एसीबी ने इनमें से किसी अफसर को नामजद नहीं किया और ना ही उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। दरअसल, एसीबी ने पिछले सप्ताह उदयपुर में फतेह नगर एसएचओ के बेटे सौरभ को 4.50 लाख रुपए की घूस लेते दबोचा था। एसीबी की कार्रवाई के बाद एसएचओ सुरेश मीणा व डबोक थाने का हेड कांस्टेबल महावीर फरार हो गए। दोनों आरोपियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है।

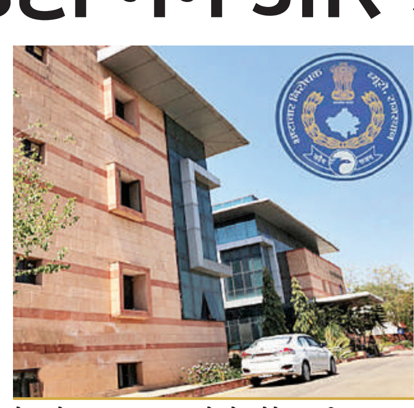

यह बोला था हेडकांस्टेबल परिवादी से

आरोपी हेड कांस्टेबल ने परिवादी हेमंत झा को सत्यापन के दौरान कहा- मामले में तो पैसे लगेंगे, तभी दबेगा। दस लाख रुपए की बात थी, लेकिन मैंने आठ में तय की है। उनके पास वजन जाने के बाद वो अपनी बात करेंगे। पैसों का सभी में डिवाइडेशन होगा। एसपी को 4 जाएंगे। डिप्टी एसपी मेडम, एडिशनल एसपी, डबोक एसएचओ और फतेह नगर एसएचओ को 1-1 जाएंगे। एक मेरे पास में भी आएगा। आरोपी व परिवादी के बीच हुई बातचीत में तो यही लगता है कि घूस की राशि उदयपुर पुलिस के सभी पुलिस अफसरों में बंटती थी। फिलहाल, एसीबी ने फतेह नगर एसएचओ सुरेश कुमार मीणा व हेडकांस्टेबल महावीर के साथ में सौरभ को ही नामजद किया है। वहीं, आरोपी व परिवादी के बीच हुई बातचीत से पुलिस के उच्चाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

डमी नोट से हुई ट्रैप की कार्रवाई

पड़ताल में सामने आया कि हेमंत झा व उनके साथी की डबोक इलाके में दुकान है। दुकान के सामने कुछ माह पहले कुछ संदिग्ध युवक मादक पदार्थों का आदान-प्रदान कर रहे है। हेमंत व उसके साथी ने सूचना डबोक पुलिस को दी। पुलिस ने तब कार्रवाई करके मुकदमा दर्ज कर लिया और मामले की जांच फतेह नगर एसएचओ दी। फतेह नगर एसएचओ सुरेश कुमार व डबोक थाने का हेडकांस्टेबल महावीर 8 लाख की घूस मांग रहा था।

सत्यापन के बाद राशि ऐसे हुई अरेंज: एसीबी ने सत्यापन के बाद परिवादी को घूस राशि लाने को कहा। परिवादी के पास 2.05 लाख रुपए ही थे, जबकि आरोपियों ने एडवांस में 4.50 लाख रुपए मांगे थे। तब एसीबी ने 2.45 लाख रुपए के मनोरंजन बैंक के डमी नोट उपलब्ध कराए। आरोपी सुरेश ने अपने बेटे सौरभ को परिवादी के पास घूस लेने भेजा। तब एसीबी ने सौरभ को दबोच लिया, लेकिन दोनों आरोपी सूचना मिलने पर फरार हो गए।

जरूरी खबर

पूनियां ने महंत अच्युतानंद की जानी कुशलक्षेम

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने अहमदाबाद पहुंचकर बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महंत अच्युतानंद महाराज की कुशलक्षेम जानी और भगवान से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान पूनियां करीब 1 घंटे तक हॉस्पिटल में मौजूद रहे और डॉक्टरों से भी अच्युतानंद महाराज की हेल्थ रिपोर्ट जानी। गौरतलब है कि बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महंत अच्युतानंद महाराज की कार पर अज्ञात लोगों ने पथराव कर दिया गया था। जिससे पीठाधीश्वर घायल हो गए, उन्हें निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया।

राज्यपाल मिश्र रोल बॉल के खिलाड़ियों से मिले

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को राजभवन में गोवा में आयोजित हुए रोल बॉल राष्ट्रीय खेलों में विजेता रहे राजस्थान के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इन खिलाड़ियों में पुरुष टीम ने स्वर्ण और महिला टीम ने राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक प्राप्त किया है। राज्यपाल मिश्र ने रोल बॉल में स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करने वाली पुरुष और महिला टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनसे संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेलों से ही मानवीय मूल्यों और सामूहिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने रोल बॉल खेल के जरिए राजस्थान को विश्व-स्तर पर अग्रणी करने के लिए भी खिलाड़ियों का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

विधायक व्यास से मिलने पहुंचे शेखावत

जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मंगलवार को जोधपुर प्रवास के दौरान सूरसागर विधायक सूर्यकांता ब्यास से मिले और स्वास्थ्य की कुशलता पूछी। वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्यकांता व्यास जीजी चार-पांच दिन से बीमार हैं। उनका जोधपुर एम्स में इलाज चल रहा है। जीजी के स्वास्थ्य की कुशलता पूछने केन्द्रीय मंत्री शेखावत दूसरी बार मिलने पहुंचे। जीजी के परिजनों से स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली। उन्होंने विधायक जीजी से बातचीत भी की। शेखावत ने स्वास्थ्य के विषय में चिकित्सकों से जानकारी भी ली। इससे पहले शेखावत जीजी से मिलने एमडीएम अस्पताल गए थे।

कांग्रेस के जीत के दावे पर राठौड़ बोले- 'नाई-नाई बाल कितने... सब सामने आ जाएंगे'

भाजपा को नहीं बाड़ाबंदी की जरूरत, बहुमत से बनाएंगे सरकार

■ पैसे बांटने के बेबुनियाद आरोप, जांच में कुछ नहीं मिला

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव का मतदान होने के बाद प्रदेश की दोनों प्रमुख पार्टियों के नेता अपनी-अपनी जीत को लेकर दावे कर रहें हैं। कांग्रेस अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में हुए विकास कार्यो और आगामी 5 साल के लिए 7 गारंटियों के दम पर सरकार बनाने के दावे कर रही हैं।

वहीं प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा केंद्र सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर बहुमत से सरकार बनाने के दावे कर रहीं है। ऐसे में इन सब दावों की हकीकत 3 दिसंबर को मतगणना के बाद ही होगी। बहरहाल मतगणना से पहले कुछ प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। वहीं पार्टियां सरकार बनाने को लेकर निर्दलीयों और जिताऊ बागियों को मनाने में जुट गई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्टिया अपने प्रत्याशियों के दो दिन के आराम के बाद 1 दिसंबर को बाड़ेबंदी कर सकती हैं। गौरतलब हैं कि पिछली बार भी कांग्रेस सरकार ने दो बार अपने विधायकों को होटलो में बाड़ेबंदी की थी।

मंगलवार को भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने प्रदेश में भाजपा की बहुमत से सरकार बनने का दावा किया। साथ ही राठौड़ ने सीएम गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार रिपीट नहीं डिलीट होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को बाड़ेबंदी की जरूरत नहीं होगी। इसकी जरूरत तब पड़ती है, जब संख्या बहुमत से कम हो। बीजेपी प्रचंड बहुमत ला रही है, ऐसे में बाड़ाबंदी की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की कपोल कल्पना है। कांग्रेस के जीत के दावे पर राठौड़ ने कहा कि 'नाई-नाई बाल कितने हैं, सामने आ जाएंगे'।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद सारे रिजल्ट सामने आ जाएंगे। लोगों पर मोदी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। कांग्रेस कुराज का खात्मा हो रहा है। राठौड़ ने तारानगर विधानसभा क्षेत्र में उनके चुनावी मुद्दों को लेकर कहा कि बिजली, पानी, कानून-व्यवस्था, पेपर लीक सहित सारे मुद्दे बने। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नहर की घोषणा कागजों तक सिमट कर रह गई।

बुडानिया के आरोप में कोई दम नहीं

तारानगर से कांग्रेस प्रत्याशी और विधायक नरेंद्र बुडानिया ने भाजपा प्रत्याशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ पर चुनावों में पैसा बांटने का आरोप लगाया था। इसको लेकर भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि बुढ़ानिया के आरोप में कोई दम नहीं है। वे झूठे आरोप लगा रहे हैं। नोट बाटने के आरोप पर जांच की गई लेकिन ऐसी कोई बात सामने नहीं आई। राठौड़ ने कहा कि मै कोई पहला चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी पर पलटवार करते हुए कहा कि जो अफसर उनके लिए काम कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही भुगतना पड़ेगा।

बहुमत से सरकार बनाएगी भाजपा

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि प्रदेश में 135 सीटों से ज्यादा जीतकर भाजपा की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने मतदान प्रतिशत बढाकर भाजपा की सरकार बनना तय कर दिया है। बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत सरकार के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की गारंटियों पर विश्वास नहीं किया है। जनता कांग्रेस सरकार के कुशासन को उखाड़ फेंकना चाहती हैं।

बड़ा सवाल: शिक्षा नगरी में स्टूडेंट्स के सुसाइड का जिम्मेदार कौन?

बुलंदी छूने की चाहत के बीच खुद ही बन रहे जान के दुश्मन

फरवरी से अब तक कोटा में 26 विद्यार्थियों ने की आत्महत्या

श्रवण भाटी | बेधड़क

जयपुर। एजुकेशन हब कोटा में स्टूडेंट्स के सुसाइड के मामले थमने के नाम नहीं ले रहे हैं। सोमवार को कोटा में एक और स्टूडेंट ने आत्महत्या कर कर ली। मृतक छात्र का नाम फोरिद हुसैन है। पश्चिम बंगाल का रहने वाला फोरिद कोटा में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

कोटा में पिछले आठ महीने में 26 स्टूडेंट्स आत्महत्या कर चुके हैं। वहीं इससे पहले के सुसाइड के आकड़े देखें तो वह भी चिंताजनक है। इधर सुसाइड रोकने के लिए लिए प्रशासन की ओर से उठाए गए कदम एक बार फिर बौने साबित हुए हैं। प्रशासन हर बार की तरह लकीर पीटता नजर आ रहा है। गौरतलब है कि कोटा में प्रदेश सहित अन्य राज्यों के करीब 2.5 लाख विद्यार्थी मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग करते हैं लेकिन कई कारणों से तनाव में आकर स्टूडेंट्स आत्महत्या कर लेते हैं। कुछ सपनों के पूरा नहीं होने पर समाज और परिवार के दबाव और तनाव के कारण स्टूडेंट्स लगातार सुसाइड कर रहे हैं। इसको लेकर प्रशासन और सरकार कोचिंग संचालकों के सामने विफल साबित हो रही हैं। पिछले आठ महीने में इतने सुसाइड के बाद भी एक भी कोचिंग पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

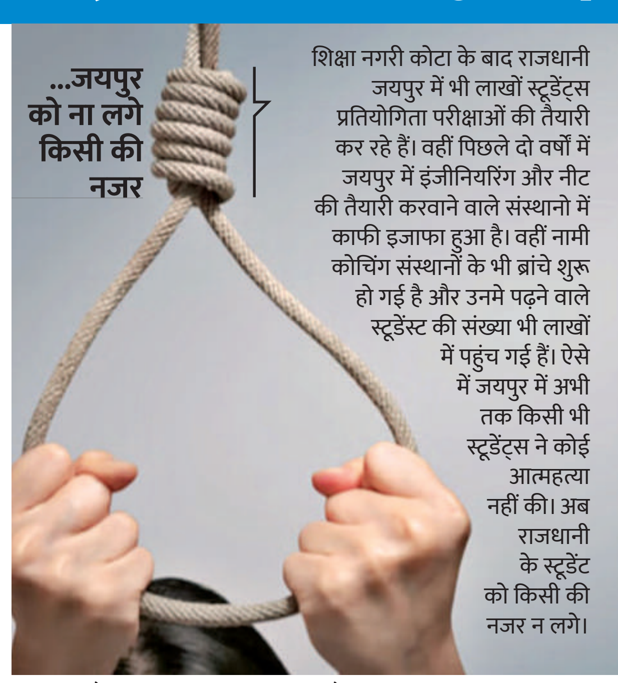

...जयपुर को ना लगे किसी की नजर

शिक्षा नगरी कोटा के बाद राजधानी जयपुर में भी लाखों स्टूडेंट्स प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं पिछले दो वर्षों में जयपुर में इंजीनियरिंग और नीट की तैयारी करवाने वाले संस्थानो में काफी इजाफा हुआ है। वहीं नामी कोचिंग संस्थानों के भी ब्रांचे शुरू हो गई है और उनमे पढ़ने वाले स्टूडेंस्ट की संख्या भी लाखों में पहुंच गई हैं। ऐसे में जयपुर में अभी तक किसी भी स्टूडेंट्स ने कोई आत्महत्या नहीं की। अब राजधानी के स्टूडेंट को किसी की नजर न लगे।

ड्राफ्ट तैयार, लेकिन नहीं बनी नीति

सरकार को कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालन को लेकर फरवरी में एक नियम का ड्राफ्ट तैयार किया गया था, लेकिन अभी तक कोचिंग सचालको और संचालन को लेकर कोई नियम नहीं बने। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कहा था कि स्टूडेंट्स की काउंसलिंग होनी चाहिए। प्रदेश में कोचिंग संचालक को लेकर एक नीति बनाने की भी तैयारियां की गई थी लेकिन अभी तक कोई प्रभावशाली फैसला नहीं लिया गया हैं।

एक महीने पहले शुरू हुए साप्ताहिक टेस्ट

सुसाइड के बढ़ते मामले को लेकर अगस्त में तत्कालीन जिला कलेक्टर ने एक पत्र जारी कर कोटा में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर आगामी 2 महीने तक कोचिंग में होने वाले टेस्ट-परीक्षाओं पर रोक लगाई गई थी। वहीं कोटा में स्टूडेंट्स थाना खोलने को लेकर सरकार को प्रस्ताव भेजने का भी फैसला लिया गया था। उसके दो महीने बाद ही जिला कलेक्टर ने आदेश जारी कर साप्ताहिक टेस्ट शुरू करने के आदेश दे दिए। गौरतलब है कि लगातार पढ़ाई के स्ट्रेस और रविवार को हो रहे साप्ताहिक टेस्ट के बाद सुसाइड की घटना बढ़ रही थी। इसके बाद साप्ताहिक टेस्ट पर रोक लगा दी गई थी और रविवार को अवकाश देने का निचिशत किया गया था। साप्ताहिक टेस्ट शुरू होने के एक महीने बाद ही फिर से सोमवार को एक स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली।

मुनेश गुर्जर पुनः निलंबन मामला

याचिका पर सुनवाई पूरी, कोर्ट में फैसला सुरक्षित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से हेरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को गत 22 सितंबर को पुनः निलंबित करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है। इसके साथ ही अदालत ने प्रकरण में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। उसके खिलाफ जिन तथ्यों पर जांच हुई हैं, वे एफआईआर से ही साबित नहीं हो पाए थे।

इसके अलावा मामले में जांच अधिकारी नियुक्त करने का आदेश डीएलबी निदेशक ने निकाला, जबकि ऐसा आदेश राज्यपाल के निर्देशों के तहत ही जारी हो सकता है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस के तहत मेयर से संबंधित किसी भी कार्रवाई का मुख्यमंत्री से अनुमोदन जरूरी है, जबकि इस मामले में निलंबन व जांच की कार्रवाई स्वायत्त शासन मंत्री के आदेश पर की गई. मामले की डीएलबी निदेशक और उप निदेशक ने अलग-अलग नोटिस जारी कर जांच कार्रवाई आरंभ की। जबकि एक ही मामले में दो जांच अधिकारी एक साथ जांच नहीं कर सकते। वहीं उप निदेशक की ओर से दी गई जांच रिपोर्ट भेदभावपूर्ण व दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि याचिकाकर्ता को पूर्व में निलंबन करने के खिलाफ हाईकोर्ट में पेश याचिका में उप निदेशक ही ओआईसी के तौर पर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मामले में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को जांच के बाद निलंबित किया गया है। वहीं रूल्स ऑफ बिजनेस बाध्यकारी नहीं है।

गौरतलब है कि मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद राज्य मुनेश को निलंबित किया था।

सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार, एससी का आदेश बरकरार

8 दिसंबर को ही बार एसोसिएशन के चुनाव

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की 258वीं बार एसोसिएशन के चुनाव हर साल 8 दिसंबर को कराने के मामले में हाईकोर्ट की ओर से दिए फैसले में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन व अन्य की एसएलपी को भी खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वन-बार-वन वोट के सिद्धांत की पालना सुनिश्चित करने के लिए एक दिन ही चुनाव होना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट से बार एसोसिएशन चुनाव के मामले में अब एसएलपी खारिज होने के चलते प्रदेशभर की बार एसोसिएशनों में अब एक ही दिन यानि 8 दिसंबर को चुनाव होने का रास्ता भी साफ हो गया है। एसएलपी में प्रार्थी संघों का कहना था कि हाईकोर्ट ने उन्हें सुने बिना ही चुनाव की तिथि तय की है, जबकि उनकी कार्यकारिणी हाल ही में निर्वाचित की गई थी। मामले से जुड़े अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 24 अगस्त, 2023 को बलराम जाखड़ व अन्य की अपीलों पर फैसला देते हुए प्रदेशभर में वकीलों की बार एसोसिएशन कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव दिसंबर के दूसरे शुक्रवार को कराने के निर्देश दिए थे। वहीं भविष्य में भी सभी बार एसोसिएशन के चुनाव दिसंबर के दूसरे शुक्रवार को ही कराने को कहा था। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वन-बार-वन वोट सिद्धांत को लागू करने के लिए यह जरूरी है कि प्रदेश की सभी बार एसोसिएशन के चुनाव एक ही दिन होने चाहिए। हाईकोर्ट की खंडपीठ के इस फैसले को बार संघों ने एसएलपी के जरिए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए इस हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने की गुहार लगाई थी।

उपचार के बाद शाम को हुए डिस्चार्ज, चुनाव कार्य संभाला

खाना खाते वक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी की बिगड़ी तबीयत

बेधड़क | जयपुर

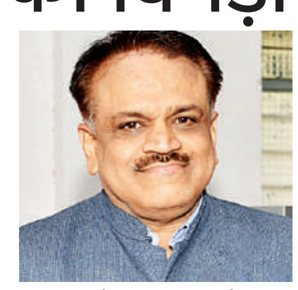

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गुप्ता की भोजन के दौरान खाना गले में फंसने से सांस रुकावट पैदा हो गई। इसके बाद ऑक्सीजन की कमी होने से वे बेहोश हो गए।

इसके बाद घर के दूसरे सदस्यों और सुरक्षा गार्डों ने उनको संभाला और एसएमएस अस्पताल लेकर आए। यहां गुप्ता का मेडिसिन और हार्ट से जुड़े विशेषज्ञों ने इलाज किया। इसके बाद तबीयत में सुधार होने पर शाम को उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही गुप्ता ने फिर से कामकाज संभाला और मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक ली। गुप्ता करीब तीन माह से विधानसभा चुनाव कराने के कार्यों में लगातार व्यस्त हैं। डॉक्टरों के अनुसार गुप्ता को सुबह घर पर भोजन करने के दौरान गले के ट्रेकिया में फूड पारिटक्ल्स फंस गए।

इस वजह से उन्हें उल्टी हुई और बेहोशी की स्थिति पैदा हो गई। चिकित्सकों ने ईसीजी, ब्लड और एक्स-रे जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में ऑबजर्वेशन में रखा गया। गुप्ता को ऑक्सीजन आदि उपचार दिया गया।

अंतिम चरण में तैयारियां

राजस्थान व कॉमर्स कॉलेज में 3 को होगी 19 विस क्षेत्रों की मतगणना

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान की सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, इसका पता 3 दिसंबर को मतगणना के बाद आने वाले चुनावी नतीजों से साफ हो जाएगा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद अब निर्वाचन विभाग अब मतगणना की तैयारियों में जुट गया है। जयपुर जिले की 19 विधानसभा सीटों की मतगणना के लिए जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान और कॉमर्स कॉलेज में सेंटर बनाए गए हैं। इनमें मतगणना से जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू होगी। अलग-अलग मतगणना के लिए काउंटर बनाए जा रहे हैं। इनमें तैनात कार्मिक पूर्व निर्धारित रूप रेखा के अनुसार वोटों की गिनती करेंगे।

इसको लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतगणना की आवश्यक व्यवस्थाओं एवं इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं आलाअधिकारी भी इसकी पूरी निगरानी कर रहे हैं, ताकि मतगणना के दौरान किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आए।

कॉमर्स में 10 व राजस्थान कॉलेज में 9 सीटों की मतगणना

जयपुर जिले के 10 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना कॉमर्स कॉलेज में की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कॉमर्स कॉलेज में चौमूं, फुलेरा, चाकसू, किशनपोल, विद्याधर नगर, आमेर, विराटनगर, जमवारागढ़, बस्सी एवं शाहपुरा विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना की जाएगी। वहीं, राजस्थान कॉलेज में झोटवाड़ा, बगरू, दूदू, सांगानेर, आदर्श नगर, सिविल लाइन्स, मालवीय नगर, हवामहल एवं कोटपूतली सहित कुल 9 विधानसभा सीटों की मतगणना होगी।

कार्मिकों को प्रशिक्षण आज से

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया के सफल एवं निर्बाध संचालन के लिए बुधवार को निर्वाचन विभाग की ओर से रिटर्निंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, गुरुवार को मतगणना के लिए 2 हजार से ज्यादा कार्मिकों को एचसीएम रीपा, बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम एवं इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी क्रम में मतगणना के दौरान उपस्थित रहने वाले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

डाक मतपत्रों का किया संग्रहण

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान डाले गए डाक मतपत्रों को मंगलवार का संग्रहण राजकीय खेतान पॉलेटेक्निक कॉलेज में किया गया। प्रदेश के 33 जिलों की सभी डाक मतपत्रों की पेटियां यहां जमा की गई। इस दौरान यहां बड़ी संख्या में मतदानकर्मी तथा वाहनों की रेलमपेल रही। एडीएम प्रथम दिनेश शर्मा के अनुसार अब इन डाक मतपत्रों की 3 दिसंबर को मतगणना के समय गिनती की जाएगी।

जरूरी खबर

मैरिज गार्डन से कैश और लाखों के गहने पार

जयपुर। राजधानी के मैरिज गार्डन से कोई बदमाश कैश और लाखों रुपए के गहने रखा बैग चोरी कर ले गया। लगन-टीके के प्रोग्राम के समय बिल्डर पिता ने बैग को सोफे पर रखा था। नजर बचाकर बदमाश सोफे पर रखा बैग चुरा ले गया। करणी विहार थाने में पीड़ित बिल्डर ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है।

हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम ने बताया कि जगदम्बा नगर करणी विहार निवासी श्रवण कुमार भादू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 23 नवम्बर को उनकी बेटी की शादी का प्रोग्राम गांधीपथ स्थित मैरिज गार्डन शगुन पैराडाइज में रखा था। शाम करीब 6-7 बजे के बीच लगन-टीका का प्रोग्राम चल रहा था। प्रोग्राम के दौरान उन्होंने कंधे पर लटका बैग पास ही सोफे पर रख दिया। कुछ ही देर पर बारात के स्वागत के लिए बैग भूल कर चले गए। कुछ देर बाद बैग संभालने पर गायब मिला।

पिकअप की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने पिकअप की चपेट में आने से एक युवक की मौत होने का मामला दर्ज किया है। मृतक मोहम्मद अफजल (28) के भाई असगर की ओर से जवाहर नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर दुर्घटना थाना ईस्ट के सीआई भंवरलाल इसकी जांच कर रहे हैं। मृतक के भाई असगर ने शिकायत दी है कि उसका भाई स्कूटी से जवाहर नगर टीला नंबर 7 के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान सामने से आई पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क पर गिर गया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उसे एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

घर से दूर एक घर: नगर निगम के बनाए अस्थाई रैन बसेरे दे रहे बेघरों को सहारा

मॉर्निंग टी और डिनर के साथ सर्द रात में बसेरा, वो भी मुफ्त

बेधड़क | जयपुर

सर्दी वैसे तो हर खासो आम को परेशान करती है, लेकिन यह खासकर उन लोगों पर बहुत भारी पड़ती है, जिनके पास सर छिपाने को छत नहीं होती है।

ऐसे बेघर और खाना बदोशों के साथ ही बाहर से शहर में खाने-कमाने आने वाले ऐसे लोगों के लिए इस भरी सर्दी में नगर निगम की ओर से बनाए गए रैन बसेरे खासे राहत देने वाले साबित हो रहे हैं। सर्दी के बढ़ने के साथ ही ग्रेटर और हेरिटेज नगर निगम ने शहर में जगह-जगह रैन बसेरे बनाए हैं। बारिश के साथ सर्दी बढ़ते ही इन रैन बसेरो में भी लोगों की आवक शुरू हो गई है।

यहां लोगों को सर्दी से बचाव के साथ ही रात बिताने को तो जगह मिल ही रही है साथ ही उनके लिए सुबह की चाय और रात के खाने की भी व्यवस्था है। इन रैन बसेरों से सबसे ज्यादा राहत उन लोगों को मिल रही है, जिनका जयपुर में धंधा तो है लेकिन रहने का ठिकाना नही। ऐसे खानाबदोश लोग दिनभर मेहनत-मजदूरी करने के बाद रात को यहां आश्रय ले रहे हैं।

हेरिटेज में चार जगह रैन बसेरे

हेरिटेज नगर निगम ने इस बार अभी तक चार जगहों पर अस्थाई रैन बसेरे बनाए गए हैं। ये खासा कोठी, टांसपोर्ट नगर, हसनपुरा और संसार चंद रोड पर हैं। इन में टांसपोर्ट नगर में 60 लोगों के सोने की व्यवस्था है। इसके अलावा बाकी तीन जगह पर 30 लोग रात गुजार सकते हैं। रैन बसेरों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए चार सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं, जो कि 24 घंटे ड्यूटी दे रहे हैं। इन रैन बसेरों में आश्रय लेने वाले लोगों को रजाई-गद्दे, चादर और तकिये दिए जा रहे हैं। इसके अलावा महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग कम्पार्ट बनाए गए हैं। हेरिटेज निगम की ओर से व्यवस्था संभाल रहे सुबोध ने बताया कि अभी चार जगहों पर अस्थाई रैन बसेरे बनाए हैं, जल्द ही बाकि जगहों पर भी बनाए जाएंगे।

रहने के साथ खाने की व्यवस्था भी

रैन बसेरों में रहने वाले लोगों को मोती डूंगरी गणेश मंदिर की ओर से सुबह चाय और रात में खाना खिलाया जा रहा है। खासा कोठी स्थित रैन बसेरे में आराम कर रहे कोटा निवासी वीरेन्द्र ने बताया कि वे यहां पर अपनी मां के साथ एसएमएस अस्पताल में जांच कराने आए थे। शाम को कोटा की ट्रेन निकलने से वे रात के लिए जगह देख रहे थे, तभी उन्हें किसी ने रैन बसेरे के बारे में बताया। यहां बहुत अच्छी सुविधा है। खाने की भी व्यवस्था हो गई है।

शहरवासी भी सेवा कर कमा रहे पुण्य

रैन बसेरे में रहने वाले लोगों की सेवा का कार्य जयपुरवासी भी कर रहे हैं। शहर के लोग रात में इन लोगों को कंबल और भोजन बांट रहे हैं। पिछले कई सालों से राहगीरों को कंबल बांटने का काम कर रही संस्था स्नेह फाउंडेशन की संस्थापक स्नेहलता भारद्वाज ने बताया कि इस कार्य से उन्हें बहुत सुकून मिलता है, साथ ही सेवा कार्य भी हो जाता है।

घरों में दुबके रहे लोग, चाय के साथ पकौड़े और मूंगफली का लेते रहे लुत्फ

मावठ से बदला मौसम: दिनभर रहे बादल, बूंदाबांदी ने ठिठुराया

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में मंगलवार को हुई हल्की मावठ ने सर्दी बढ़ा दी। दिनभर बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी होती रीह। इसके चलते दिनभर लोग घरों में ही दुबके रहे। बहुत जरूरी काम होने पर ही बाहर निकले, वो भी गर्म कपड़ों से लदकर। सर्दी को भगाने के लिए लोग चाय के साथ पकोड़े और मूंगफली के ठेलों पर गर्माहट लेते नजर आए।

गौरतलब है कि मौसम विभाग ने तीन दिन पहले ही राजधानी में हल्की बारिश की संभावना जता दी थी। शहर में जहां लोग सर्दी में ठिठुरते नजर आए वहीं, सीजन की पहली मावठ होने से किसानों के चेहरे भी खिल उठे। बारिश की वजह से जयपुर का तापमान 2 डिग्री गिरकर 16 डिग्री रह गया।

फोटो: राजेश कुमावत

तीन-चार दिन चलेगा बारिश का दौर

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में अगले तीन-चार दिन बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के चूरू, हनुमानगढ़ और आसपास के क्षेत्र में आज भी हल्की बारिश होने व 29 नवंबर से मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसके साथ ही आगामी दो-तीन दिन राज्य में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने और अधिकतम तापमान औसत से 4-8 डिग्री नीचे दर्ज होने की संभावना है।

सूर्य देवता करते रहे लुका-छिपी

मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। ऐसे में सूरज बादलों की ओट में ही लुका-छिपी करता रहा। ठंड बढ़ जाने से आमजन को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के कई इलाकों में दोपहर बाद तक बूंदाबांदी होती रही। साथ में चली सर्द हवाओं ने ठिठुरन और भी बढ़ा दी। वहीं दोपहर को भी आसमान में बादलों की आवाजाही के कारण सूर्य देवता के दर्शन ही नहीं हो पाए।

लोगों ने निकाले गर्म कपड़े

वहीं मौसम में एकदम से परिवर्तन होने से लोग भी गर्म कपडे पहनकर घूमते नजर आए। शहर के चारदीवारी, दिल्ली रोड, आदर्श नगर, शास्त्री नगर, टोंक रोड, सांगानेर सहित कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। वहीं बादल छाने और बारिश से नमी के कारण रात में तापमान में गिरावट हो गई । सुबह बाजारों में चाय की दुकानों पर भीड देखी गई। रात होते ही मूंगफली और गजक की दुकानों पर लोग खरीदारी करते नजर आए। सर्दी बढ़ने से सैलानियों का भ्रमण का आनंद दुगुना हो गया।

कोहरे के चलते आठ फ्लाइट की गई डायवर्ट

बारिश और घना कोहरा छाने के कारण दिल्ली में एयर ट्रैफिक प्रभावित होने से कई फ्लाइटों को जयपुर में डायवर्ट किया गया। एअरपोर्ट पर चेन्नई, गोरखपुर, सिडनी समेत कई शहरों से आ रही फ्लाइट्स को उतारा गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक शाम 6 से 7:30 बजे तक 8 फ्लाइट्स को दिल्ली से जयपुर डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में विजिबिलिटी कम होने के कारण वहां फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित हो रहा है। इस कारण जयपुर समेत दूसरे शहरों में फ्लाइट्स को डायवर्ट किया जा रहा है।

डॉग मालिक पर केस दर्ज

दोस्त से मिलकर आ रहे 10 साल के बालक को पालतू कुत्ते ने काटा

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के गणगौरी बाजार में पालतू कुत्ते के एक बच्चे पर हमला कर उसका पैर नोच खाने का मामला सामने आया है। बच्चा लहूलुहान हालत में घर पहुंचा तो परिजनों ने उसे एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया।

डॉक्टर का कहना है कि पैर पर घाव बहुत गहरा है। इसकी अब सर्जरी करनी पड़ेगी। वहीं, घटना के बाद बच्चे के पिता ने डॉग मालिक के खिलाफ नाहरगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि गणगौरी बाजार में रहने वाले कमलेश कुमार पारीक ने शिकायत में बताया कि उसके 10 साल के बेटे रुद्र पारीक को कुत्ते ने नोच खाया। शनिवार रात करीब 9 बजे उनका बेटा रुद्र अपने दोस्त से मिलकर घर आ रहा था। पालीवाल दरवाजे के अंदर से आते समय एक पालतू कुत्ते ने रुद्र पर अटैक कर दिया। कुत्ते ने रुद्र को रोड पर गिराकर उसके पैर की पिंडली को नोच खाया। जैसे-तैसे कुत्ते से बचकर रोता हुआ रुद्र लहूलुहान हालत में घर पहुंचा। बेटे की हालत देखकर परिजन दंग रहे गए।

खून से लथपथ हालत में रुद्र को लेकर गणगौरी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर्स ने एसएमएस हॉस्पिटल रेफर कर दिया। नाहरगढ़ थाने में डॉग ऑनर के खिलाफ शिकायत दी है। बताया जा रहा है कि ये डॉग पहले भी कई लोगों को काट चुका है।

आयकर विभाग ने जब्त की रकम

कार में मिली 92 लाख की नकदी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुके हैं और अब सभी की नजर 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना पर है। इस बीच राजधानी जयपुर में पुलिस की सख्ती जारी है और पुलिस नाकाबंदी कर अवैध रूप से नकदी और अन्य अवैध सामग्री के परिवहन की रोकथाम में जुटी है।

राजधानी के संजय सर्किल थाना इलाके में एक कार से 92 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस इस मामले में कार चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि, एक युवक कार से उतरकर फरार गया। कोतवाली एसीपी नरेंद्र कुमार के अनुसार संजय सर्किल थाना इलाके में मंगलवार रात को पुलिस की टीम नाकाबंदी कर रही थी। इस दौरान पुलिस की नाकाबंदी देखकर एक युवक कार से उतरकर भाग गया। शक होने पर पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लिया और कार की गहनता से तलाशी ली तो 92 लाख से ज्यादा की नकदी मिली। पुलिस सूचना पर आयकर विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और नकदी को अपने कब्जे में लिया।

मंदिर चतुर्भुज मुहाना में पीले किए चावल

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का घर-घर देंगे न्योता

बेधड़क | जयपुर

राम जन्मभूमि पर रामलला के मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर संपूर्ण देश में राम महोत्सव मनाया जा रहा है। इसको लेकर मंगलवार को मंदिर चतुर्भुजजी मुहाना में स्थित रामज्योति वितरण केंद्र प्रमुख राजेश शर्मा के सानिध्य में एक सौ इक्यावन किलो चावल पीले किए गए।

ये चावल राजस्थान के गांव गांव और घर घर वितरण करने हेतु तैयार किए जा रहे हैं। जयपुर के प्रमुख पच्चीस केंद्रों से इक्यावन सौ किलो चावल पीले करके बाइस जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर दीपक प्रज्ज्वलित करने और राम महोत्सव मनाने का निमंत्रण देने के लिए वितरण करने का लक्ष्य है। विश्व हिंदू परिषद राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम ने बताया कि प्रभु श्रीराम के बाल रूप नूतन विग्रह को श्री राम जन्म भूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भूतल के गर्भगृह में विराजित करके प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

राम महोत्सव के सफलतम आयोजन के लिए विश्व हिंदू परिषद और रामराज्य चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश के छत्तीस हजार गांवों तक चावल वितरण करके निमंत्रण दिया जाएगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक जगदीश ए पंचारिया,राम ज्योति यात्रा संयोजक प्रीतेश माथुर, एडवोकेट सतपाल सोनी, राजेश शर्मा, कैलाश शर्मा, जगमोहन शर्मा, राकेश शर्मा, गणपतलाल शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अस्पतालों में मॉकड्रिल आज

रहस्यमयी बीमारी से लड़ने का तीन में दिन में तैयार करें एक्शन प्लान

बेधड़क | जयपुर

चीन में श्वसन रोग के मामलों में हो रही बढ़ोतरी को लेकर राज्य का चिकित्सा महकमा अलर्ट मोड है। इसको लेकर मंगलवार को चिकित्सा विभाग की एसीएस शुभ्रा सिंह ने श्वसन संबंधी बीमारी से बचाव की तैयारियों के लिए स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा विभाग अधिकारियों की वीसी ली। वहीं, बुधवार को इस बीमारी से निपटने के लिए चिकित्सा संस्थानों में मॉकड्रिल भी की जाएगी।

इस मॉकड्रिल के दौरान बैड, जांच, दवा, एम्बुलेंस, मानव संसाधन एवं आवश्यक उपकरणों आदि की मॉनिटरिंग की जाएगी। यह मॉकड्रिल मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक होगी।

वीसी में एसीएस ने कहा कि भारत सरकार की ओर से जारी पत्र एवं उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार अभी तक स्थिति चिंताजनक नहीं है, लेकिन प्रदेशभर में संक्रामक रोगों की सर्विलेंस एवं रोकथाम के लिए चिकित्सा प्रबंधन पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे। सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा, उपचार आदि के समुचित इंतजाम सुनिश्चित किया जाए। वीसी में अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, एसएमएस मेडिकल कॉलेज की वरिष्ठ माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. भारती मल्होत्रा, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. सुशील कुमार परमार, मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी जुड़े।

रेपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन किया जाए

वीसी में एसीएस सिंह ने निर्देश दिए कि इस बीमारी से बचाव एवं उपचार आदि व्यवस्थाओं के लिए 3 दिन में एक्शन प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने इसके लिए जिला एवं मेडिकल कॉलेज के स्तर पर एक नोडल ऑफिसर की नियुक्ति करने तथा संभाग एवं जिला स्तर पर रेपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में बैड, ऑक्सीजन, जांच, दवा, उपचार, मानव संसाधन एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की मॉनिटरिंग की जाए। शिशु रोग इकाइयों एवं मेडिसिन विभाग में उपचार के पर्याप्त इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के संबंध में नियमित समीक्षा की जाएगी।

सांस की दिक्कत के मरीजों के सैंपल भेजें

एसीएस ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तर के बड़े चिकित्सा संस्थानों में भर्ती सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (एसएआरआई) के रोगियों की रेंडम सैंपलिंग कर उनके नमूने जयपुर एवं जोधपुर स्थित लैब में भेजे जाएं। उन्होंने कोविड-19 रोगियों की तरह आईएलआई एवं एसएआरआई रोगियों की भी आईएचआईपी पोर्टल पर दैनिक रूप से रिपोर्टिंग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों, वृद्धजनों, गर्भवती महिलाओं एवं को-मोरबिड रोगियों में संक्रमण की आशंका अधिक रहती है। अतः बचाव की दृष्टि से आमजन को आवश्यक उपाय अपनाने के लिए जागरूक किया जाए।

अलग से एंबुलेंस चिन्हित हो

वीसी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि चूंकि यह एक संक्रामक बीमारी है, इसलिए इसके रोगियों के लिए अलग से एम्बुलेंस चिन्हित की जाए, ताकि अन्य रोगियों में संक्रमण नहीं फैले। उन्होंने इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते ने मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में गाइडलाइन के अनुरूप सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

प्रदेश में अभी कोविड के केस शुन्य

बैठक में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि चीन में इंफ्लूएंजा, माइक्रोप्लाज्मान्यूमोनिया एवं सॉर्सकॉव-2 आदि के कारण यह स्थिति होना पाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में श्वसन रोग विशेषकर कोविड-19 एवं म्यूकोरमाइकोसिस के शून्य केस रिकॉर्ड हो रहे हैं। संक्रामक रोगों से बचाव एवं नियंत्रण के लिए चिकित्सा विभाग ने पूरी तैयारी कर रखी है।

जरूरी खबर

1 लाख का इनामी बदमाश गिरफ्तार, साथी फरार

सीकर। गोकुलपुरा थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने एक लाख रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश का दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। आरोपी रेंट पर ली गई कार को बेचने की फिराक में सीकर जा रहे थे। टीम को हरियाणा के विकास उर्फ विक्की की कार में सीकर आने की सूचना मिली थी। उस पर हरियाणा में एक लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस ने अखेपुरा टोल पर शक के आधार पर आई20 कार को रोका। इसमें विकास कुमार उर्फ विक्की (28) निवासी महेंद्रगढ़ हरियाणा को दबोच लिया गया। वहीं उसका साथी फरार हो गया।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

सीकर। जिले के दांतारामगढ़ थाना क्षेत्र के करणीपुरा गांव में हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने अनियंत्रित होकर बाइक को टक्कर मार दी। हादसा सोमवार रात करीब 8 बजे हुआ। दोनों युवक जालूंड गांव के निवासी थे। वे बाइक से खाचरियावास से रामगढ़ की तरफ जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही है तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक घिसटते हुए कई मीटर दूर जाकर गिर गई और बाइक में आग लग गई। मृतकों की पहचान विनोद कुमार (35) व दिनेश भार्गव (30) के रूप में हुई है।

खेत पर वाटर पंप में करंट आने से किसान की मौत

अजमेर। पीसांगन थाना क्षेत्र के कालेसरा में रायड़े की फसल की सिंचाई के दौरान करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई।। पुलिस के अनुसार पुत्र कालेसरा निवासी राहुल जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके पिता महेंद्र सिंह सवेरे हमारे खेत पर हमारे पड़ौसी रमेश चौधरी फसल की सिंचाई के लिए गए थे। वहां पर महेंद्र सिंह सिंचाई कर रहे थे। इस दौरान वाटर पंप बंद हो गया। उसे वे वापस चालू करने गए। पंप में करट दौड़ रहा था। इसकी चपेट में आने से महेन्द्र सिंह अचेत हो गए। बाद में अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बर्फीले इलाकों से लगातार पलायन कर घना राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में पहुंच रहे हैं विदेशी परिंदे

सर्दी बढ़ने के साथ ही केवलादेव में बढ़ी पक्षियों की कलरव

बेधड़क | भरतपुर

अलग-अलग प्रजाति के पक्षियों की क्रीड़ास्थली के रूप में प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय घना उद्यान विदेशी पक्षियों के कलरव की गूंज रहा है। सर्दी बढ़ने के साथ ही विदेशी पक्षियों की तादाद लगातार बढ़ रही है। इस बार अब तक हजारों की संख्या में यहां विदेशी पक्षी पहुंच चुके हैं।

इसकी अटखेलियां सैलानियों और पक्षी प्रेमियों को खूब लुभा रही है। यहां साइबेरिया और सेंट्रल एशिया से हजारों की संख्या में कई प्रजातियों के पक्षियों ने नेस्टिंग कर ली है। घना की झीलों में बड़ी संख्या में पक्षियों के झुंड के झुंड नजर आने लगे हैं। खास बात यह है कि कई साल के इंतजार के बाद केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में ब्लैक नेक्ड स्टार्क और डस्की आउल ने नेटिंग की है। उम्मीद है कि पर्यटकों को इस बार दोनों प्रजाति के पक्षियों के बच्चे भी नजर आएंगे। घना निदेशक मानस सिंह ने बताया कि घना में साइबेरिया और सेंट्रल एशिया के प्रवासी पक्षी काफी संख्या में यहां पहुंच गए हैं। यूरेशियन कूट करीब 400 की संख्या में यहां पहुंच गए हैं। दिसंबर मध्य तक इनकी संख्या 2 हजार तक पहुंच जाएगी। साथ ही पोचर्ड, ग्रे लैग गीज, बार हेडेड समेत अन्य प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी काफी संख्या में नजर आने लगे हैं।

हर दिन पहुंच रहे 400 से 500 पर्यटक

मानस सिंह ने बताया कि उद्यान में पक्षियों के साथ ही पर्यटकों की संख्या भी बढ़ने लगी है। दिल्ली, नोएडा, आगरा, उत्तर प्रदेश व देश के अन्य क्षेत्र समेत विदेशों से भी पर्यटक पहुंचने लगे हैं। हर दिन करीब 400 से 500 पर्यटक घना पहुंच रहे हैं। वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या अच्छी पहुंच रही है. मानस सिंह ने बताया कि उद्यान में एक पर्यटन सीजन के लिए 550 एमसीएफटी पानी की जरूरत होती है। इस बार अब तक करीब 400 एमसीएफटी पानी मिल चुका है, जो की उद्यान के लिए पर्याप्त है।

घना के जलाशय परिंदों से आबाद

घना के जलाशयों में पक्षियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं घना में पेंटेड स्टार्क, आईबिस, स्पूनबिल आदि पक्षियों के बच्चे बड़े हो गए हैं। पक्षियों के साथ उनके बच्चे दाना चुगता नजर आ रहे हैं। मानस सिंह ने बताया कि साइबेरिया और सेंट्रल एशिया में जैसे-जैसे बर्फबारी और सर्दी बढ़ेगी, वैसे-वैसे पक्षी पलायन कर घना में पहुंचते रहेंगे। दिसंबर अंतिम सप्ताह तक तो घना में पक्षियों की अच्छी संख्या देखने को मिलने लगेगी। निदेशक मानस सिंह ने बताया कि कई साल से घना में ब्लैक नेक्ड स्टार्क के करीब तीन जोड़ा (6 पक्षी) हैं. ये टेरिटोरियल बर्ड हैं, जो अपने क्षेत्र में अन्य किसी पक्षी को नहीं आने देती। इस पक्षी ने कई साल के इंतजार के बाद घना में नेस्टिंग की है। इसी तरह डस्की ऑउल ने भी नेस्टिंग की है। उम्मीद है कि इस बार दोनों पक्षियों के बच्चे भी देखने को मिलेंगे।

तेज रफ्तार दो कारों की भीषण टक्कर में 2 लोगों की मौत, 12 घायल

कार में फंसे चालक को निकालने के लिए मौके पर बुलानी पड़ी JCB

बेधड़क | हनुमानगढ़

जिले में मंगलवार को दो कारों को आमने-सामने की टक्कर में दो जनों की मौत हो गई वहीं 12 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषणा था कि तेज रफ्तार में टकराई कारों के परखच्चे उड़ गए। हादसे की भीषणता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि एक कार में फंसे ड्राइवर को निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ी। इसके बाद जेसीबी की कार में बुरी तरह फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला गया। हादसा हनुमानगढ़ के रावतसर इलाके में सुबह करीब 8.30 बजे हुआ।

रावतसर सीआई अरुण चौधरी ने बताया कि रावतसर-हिसार स्टेट हाईवे नोहर रोड पर टोपरिया के पास सुबह दो कारों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। एक कार नोहर से रावतसर की तरफ आ रही थी। दूसरी कार रावतसर से नोहर की तरफ जा रही थी। प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज स्पीड में ओवरटेक करना बताया जा रहा है। हादसे में घायल भाग देवी (60) पत्नी हनुमान जाट निवासी डाबरी कला 19 एजी और रणजीत (70) पुत्र चंदूराम जाट निवासी डबली कला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हादसे की सूचना पर थालड़का चौकी से हेड कांस्टेबल कृष्ण लाल और कांस्टेबल राजवीर मील टीम सहित मौके पर पहुंचे। दोनों कारों में 14 लोग सवार थे। पुलिस ने सभी घायलों को रावतसर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल हुए सभी लोग हनुमानगढ़ जिले के रहने वाले हैं। मौके पर पहुंचे कांस्टेबल राजवीर मील ने बताया कि गोलूवाला निवासी रामसिंह पूनिया का परिवार भादरा में किसी रिशेतदार की शादी में शरीक होकर गोलूवाला गांव लौट रहा था। वहीं मांगीलाल स्वामी निवासी भुरानपुरा अपने परिवार सहित कार में सवार होकर आदमपुर (पंजाब) जा रहे थे। ओवरेटक करने के चक्कर में सामने से आ रही कार के साथ जोरदार भिड़ंत हो गई।

ये हुए हादसे में घायल

हादसे के दौरान दोनों कारों में 14 लोग सवार थे। घायलों में दर्शन (40) पत्नी शंकर निवासी खेदासरी, प्रवीण (26) पुत्र अमरचंद जाट निवासी गोलूवाला, कानाराम (65) पुत्र चंदूराम जाट निवासी डबली कला, रमेश (25) पुत्र गोपी राम मेघवाल निवासी चोहिलावाली, हनुमान (70) पुत्र नाथूराम जाट निवासी राणासर, सुमित्रा (42) पत्नी कालूराम जाट निवासी 19 एजी, रीटा (40) पत्नी नरेश कुलड़िया निवासी 12 डीबीएल, नरेश (21) पुत्र बंशीलाल जाट निवासी गोलूवाला, योगेश (15) पुत्र पालाराम जाट निवासी डबली कला, सीमा (32) पत्नी शीशपाल जाट निवासी डबली कला, मंतो देवी (65) पत्नी बृजलाल जाट निवासी 19 एजी और कौशल (23) पुत्र ओमप्रकाश जाट निवासी गोलूवाला शामिल है।

नागौर: बस पलटी, दर्जनभर यात्री घायल

नागौर। जिले में मंगलवार अलसुबह झाड़ेली गांव के पास नागौर डिपो की एक रोडवेज बस बेकाबू होकर पलट गई। इस घटना में करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को डेह सीएचसी में भर्ती करवाया गया हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें नागौर के जेएलएन अस्पताल में रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार ड्राइवर की ओर से बस कंट्रोल नहीं होने से बस सड़क से उतर कर गड्ढे में 3 बार पलटी मारते हुए गिर गई। इस बीच बस के अंदर बैठी सवारियों के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई। ग्रामीणों ने बताया की जब बस पलटी तो सवारियों में चीख-पुकार मच गई। बस के अंदर यात्री जोर-जोर से चिल्लाने लगे। शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बस में सवार यात्रियों को दरवाजे और खिड़कियों से बाहर निकाला। इस दुर्घटना में कई यात्री गंभीर घायल हो गए, जिनके सिर पर भी चोटें आई हैं। अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार हादसे की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच 12 से ज्यादा घायलों को सीएचसी में भर्ती करवाया। वहीं तीन गंभीर घायलों को नागौर के जेएलएन अस्पताल में रेफर किया गया। हादसे में वीरेंद्र सिंह पुत्र शक्ति सिंह निवासी नागौर, लाडू देवी, सज्जन कवर, मैना पत्नी सत्यनारायण निवासी नागौर, सुमित्रा पत्नी सुरेश निवासी झाड़ेली, भाविनी पुत्री सुरेश निवासी झाड़ेली, योगी जाट, शारदा निवासी ऐवाद, मुकेश पारासर पुत्र सत्यनारान निवासी नागौर, इमरान निवासी मुंडवा, छोटू देवी पत्नी भंवर सिंह निवासी झाड़ेली घायल हो गए।

मायरे को लेकर नागौर फिर चर्चा में

भात में दिए 21 लाख नकद, 28 तोला सोना, प्लॉट और कार

बेधड़क | नागौर

जिले में एक भाई ने अपनी बहन के बेटे की शादी में दिल खोलकर मायरा भरा है। इसके चलते एक फिर मायरे को नागौर चर्चा में है। सोमवार को एक किसान ने अपने भांजे की शादी में 1 करोड़ 31 लाख रुपए का मायरा भरा। भात में दिए जाने वाले सामन की गठरी सिर पर रखकर भाई अपनी बहने के घर मायरा भरने पहुंचा। मायरे में 21 लाख रुपए नकद, 28 तोला सोना, 75 लाख का एक प्लॉट, 15 लाख की कार और अन्य सामान दिया। मामला जिले से 55 किलोमीटर दूर खींवसर के धारणावास गांव का है।

जोधपुर के चटालिया गांव के रहने वाले किसान पुनाराम सियाग के तीन बेटियां और एक बेटा हनुमानराम सियाग है। सबसे बड़ी बेटी मंजू देवी की शादी धारणावास के रहने वाले रामकरण मुंडेल के साथ हुई थी। मंजू देवी के बेटे जितेंद्र की शादी नागड़ी गांव की पूजा से हुई है।

मायरे में भाई हनुमानराम सियाग ने बहन को गोटेदार चुनड़ी ओढ़ाकर करीब 1 करोड़ 31 लाख का मायरा भरा। पूजा के माता-पिता राजीव सारण और चहेती देवी हैं। जितेंद्र कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। मुंडेल परिवार के लोग खेती करते हैं। कार-जीप और बसों में 600 लोगों का काफिला भात भरने धारणावास गांव पहुंचा था। इस मायरे को देखने आस-पास के गांव के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।

टाइगर सामने आया...थम गए कदम

अलवर। टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट सरिस्का में मंगलवार सुबह की पारी में टाइगर ST-21 पर्यटकों की जिप्सी के सामने आ गया। जैसे ही काला कुआं से टूरिस्ट की सफारी वाली जिप्सी निकली तो अचानक टाइगर सामने आ गया। इस बीच टूरिस्ट ने टाइगर की चहल-कदमी को कैमरे में कैद किया। टाइगर को काफी नजदीक से देख कर पर्यटक रोमांचित हो उठे।

ट्रक ड्राइवर और गोतस्कर फरार, सभी गोवंश के बांध रखे थे मुंह

ठूंस-ठूंसकर भरे मिले 15 गाय और 10 बछड़े

बेधड़क | दौसा

दौसा जिले के महुवा उपखंड क्षेत्र के थाना सलेमपुर की खोहरा मुल्ला पुलिस चौकी के सांथा रोड पर रविवार रात्रि को ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने एक गोवंश से भरे ट्रक को पकड़ा। इसमें 15 गाय व 10 बछड़े ठूस-ठूस कर भरे मिले। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से गोवंश को श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला महुवा पहुंचाया।

सलेमपुर थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि खोहरामुल्ला पुलिस चौकी के पास सांथा रोड पर ग्रामीणों की मदद से गोवंश से भरे हुए एक ट्रक को पकड़ा गया। मौके से ड्राइवर और गोतस्कर भागने में कामयाब हो गए। गोवंश को रात्रि में ही ग्रामीणों की मदद से श्रीकृष्ण गोपाल गोशाला महुआ के व्यवस्थापक गोपुत्र अवधेश अवस्थी के सुपुर्द कर गोशाला पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि ट्रक में 10 बछड़े 15 गाय को मुंह बंद करके गो तस्करों ने ट्रक में भर रखा था। समाजसेवी वीरेंद्र मीणा ने बताया कि तस्करी के लिए ले जा रहे गोवंश से भरे ट्रक को ग्रामीणों की मदद से खोहरामुल्ला पुलिस चौकी के पास गायों से भरा ट्रक मेरे गांव के जागरूक लोगों द्वारा पकड़ा गया।

सभी गायों को पकड़े गए ट्रक द्वारा महुआ स्थित श्री कृष्ण गोपाल गोशाला व्यवस्थापक गोपुत्र अवधेश अवस्थी को सुपुर्द कर गोशाला पहुंचाया गया। गोशाला में उनका प्राथमिक उपचार कर उनकी देखभाल सारे पानी की व्यवस्था की जा रही है।

जंगल में दिया वारदात को अंजाम

पिता ने बेटी का गला काटा, पेट्रोल छिड़क कर लगाई आग

बेधड़क | पाली

जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मंगलवार को एक पिता ने अपनी ही शादीशुदा बेटी का चाकू से गला काटकर हत्या कर दी और फिर शव को ठिकाने लगाने के मकसद से पेट्रोल छिड़क कर उसे आग लगा दी। हत्यारा पिता बहाने से बेटी को अपने साथ बाइक पर बिठाकर सुनसान जगह ले गया, जहां वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। हत्या के बाद आरोपी छोटी बेटी के पास जाकर खून से सने हाथ धोने लगा तो वह चिल्लाई। इस पर आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया। यह हृदय विदारक घटना पाली जिले के सीरियारी गांव की है। जानकारी में सामने आया कि पिता छोटी बेटी के लिए लड़का देखने की बात कहकर बड़ी बेटी को उसके घर से बाइक पर बिठाकर लाया था। ग्रामीणो महिला का अधजला शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। सीरियारी एसएचओ महिपाल सिंह ने बताया कि मृतका 32 साल की निरमा पुत्री शिवलाल मेघवाल थी।

जांच में सामने आया कि ईसाली गांव का रहने वाला आरोपी शिवलाल मेघवाल मंगलवार सुबह अपनी छोटी बेटी को लेकर बाइक से बड़ी बेटी निरमा के ससुराल गुड़ा दुर्जन पहुंचा था। वहां उसने बेटी को छोटी बेटी के लिए लड़का देखने की बात कहते हुए साथ चलने को कहा। इस पर निरमा अपने चार साल के बेटे के साथ पिता और बहन के साथ चली गई।

कुंडली घर भूलने का बनाया बहाना

दोनों बहनों को लेकर जा रहे आरोपी शवलाल ने जेतपुरा चौराहा पर बाइक को रोक दिया और बेटियों के सामने कुंडली घर पर ही भूल जाने का बहाना बनाया। वह छोटी बेटी और अपने नाती को वहीं छोड़कर बड़ी बेटी को लेकर बाइक पर चला गया। ईसाली से कादू जाने वाले रास्ते के जंगल में ले जाकर बाइक रोक दी। वहां उसने बेटी निरमा का चाकू से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद बाइक से पेट्रोल निकालकर उसके शव को आग लगा दी। इसके बाद आरोपी बाइक लेकर जेतपुरा चौराहे पर खड़ी छोटी बेटी के पास लौट आया।

छोटी बेटी चिल्लाई तो भागा आरोपी

बड़ी बेटी की हत्या करने के बाद आरोपी शिवलाल वापस जेतपुरा चौराहा पर छोटी बेटी और नाती के पास आया। इस दौरान आरोपी के हाथ खून से सने थे। वह पास में ही पानी की खोली में हाथ धोले लगा तो छोटी बेटी ने देख लिया। पिता के हाथ खून से सने हुए देखकर वह वह चिल्लाई। इसके बाद आरोपी बाइक लेकर वहां से फरार हो गया। उधर जंगल से गुजर रहे ग्रामीणों ने अधजला शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू की। जानकारी में आया है कि आरोपी की पत्नी उससे अलग रहती है और उसके 6 बच्चे हैं।

ज्योति मिर्धा सहित तीन पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बेधड़क | जोधपुर

उदय मंदिर थाना पुलिस ने नागौर से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और उनकी बहन समेत तीन लोगों पर धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। फरियादी अनिल चौधरी के इस्तगासे कोर्ट के आदेश के बाद मामला दर्ज किया गया है। इसमें उनकी बहन राज्यसभा सांसद हेम श्वेता और प्रेम प्रकाश मिर्धा को भी आरोपी बनाया गया है।

मामला आदर्श प्रगतिशील गृह निर्माण सहकारी समिति के भूखंड विवाद का है, जिसमें तीनों आरोपियों पर फर्जीवाड़ा करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में एक रोचक बात निकल कर सामने आ रही है कि ज्योति मिर्धा के पिता राम प्रकाश मिर्धा की ओर से बेची गई जमीन के भाव बढ़ने के बाद उनके वारिस ज्योति मिर्धा, हेम श्वेता मिर्धा और प्रेम प्रकाश मिर्धा ने विक्रय विलेख बनाए। ये 23 मई 1988 और 11 अक्टूबर 1989 का बताया गया है। इसमें एक मोबाइल नंबर भी अंकित किया गया है, जबकि उस समय मोबाइल का प्रचलन नहीं था। ऐसे में इन्हें कूट रचित विलेख माना गया।

वहीं कोर्ट में ज्योति मिर्धा की और उनकी बहन की ओर से उनके फर्जी तरीके से भूमि नाम करने की दर्ज कराई गई एफआईआर को भी खारिज कर दिया। इसमें उन्होंने अपने चाचा सहित 13 लोगों पर फर्जी तरीके से पिता की भूमि खुद के नाम कराने के आरोप लगाए थे।

चुनावी पोळ

वोट बढ्या धड़कन बढ़ी,
मन है घणों बेचैन।
नारी आळा हाथ उठ्या,
छीण सी किणरो चैन।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव बाबा बालकनाथ की तिजारा सीट पर बढ़ा 3 प्रतिशत मतदान

विधायकी के लिए उतरे आधे सांसदों की सीट पर मतदान पहले से कम

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने प्रदेश के विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारने के लिए नेताओं की पहली लिस्ट निकाली तो इसमें सात सांसदों के नाम थे। इसे कइयों ने पार्टी का मास्टर स्ट्रोक तक कहा लेकिन पार्टी का यह प्रयोग पहली लिस्ट तक ही सीमित रहा।

प्रदेश के विधानसभा चुनाव में इन सात सांसदों के अलावा एक और सांसद हनुमान बेनीवाल भी मैदान में थे। मतदान के मैदान में उतरे आठ में से चार सांसदों के खेमे में बेचैनी है। दरअसल, इन चार सांसदों के विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत पिछले चुनाव की अपेक्षा नीचे गिरा है। अब कम मतदान का फायदा या नुकसान किसको होगा ये तो मतगणना के बाद पता चलेगा लेकिन कम मतदान के चलते तरह-तरह के अनुमान प्रदेश में चल पड़े हैं।

हर सांसद व उनकी पार्टी जहां मतदान घटने को अपने पक्ष में बता रहे हैं वहीं विपक्षी इसको अपने लिए फायदेमंद बता रहे हैं। इन आठ में से दो सांसदों को छोड़ सभी सांसदों ने अपने ही लोकसभा क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों से चुनाव लड़े हैं। सांसदों ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए जमकर प्रयास किए पर ज्यादा वोटर्स को बूथ तक लाने में नाकाम रहे।

मतदान के आंकड़ों के मुताबिक हनुमान बेनीवाल की विधानसभा सीट खींवसर, देवजी पटेल की विधानसभा सीट सांचौर, नरेन्द्र कुमार की सीट मंडावा और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की सीट झोटवाड़ा में मतदान प्रतिशत गिर गया है। इन सीटों पर मतदान में पिछले चुनाव से 3.5 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत खींवसर में हनुमान बेनीवाल की सीट पर गिरा। इनके अलावा शेष चार सांसद सांसद बालकनाथ, किरोड़ी लाल मीना, भागीरथ चौधरी और दिया कुमारी की विधानसभा सीट पर वर्ष 2018 के मुकाबले मतदान प्रतिशत बढ़ गया है।

इन सांसदों के क्षेत्र में गिरा मतदान

हनुमान बेनीवाल- खींवसर

आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल पार्टी प्रत्याशी के रूप में खींवसर विधानसभा क्षेत्र से खुद मैदान में थे। यहां मतदान प्रतिशत में 1.77 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले चुनाव में खींवसर सीट पर 75.26 फीसदी मतदान हुआ था जबकि इस बार यहां 73.49 प्रतिशत मतदान हुआ।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़- झोटवाड़ा

झोटवाड़ा से बीजेपी उम्मीदवार राज्यवर्धन राठौड़ को पूर्व मंत्री राजपाल शेखावत का टिकट काटकर मैदान में उतारा गया था। निर्दलीय आशु सिंह सुरपुरा भी मैदान में थे तो पार्टी बगावत शांत करने में उलझी रही। कांग्रेस ने अभिषेक चौधरी के रूप में युवा चेहरे पर दांव खेला। यहां मतदान प्रतिशत 1.39 प्रतिशत कम रहा है।

नरेन्द्र कुमार- मंडावा

झुंझुनूं की मंडावा सीट कांग्रेस का गढ़ रही है। यहां भाजपा ने कांग्रेस की रीटा चौधरी के सामने सांसद नरेंद्र कुमार को मैदान में उतारा। इस सीट पर 73.99 फीसदी मतदान हुआ है जो पिछले मतदान 74.20 प्रतिशत से 0.21 प्रतिशत कम है। इस सीट को लेकर राजनीतिक गलियारों में अलग अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

देवजी पटेल- सांचौर

जालोर की सांचौर विधानसभा सीट पर बीजेपी सांसद देवजी पटेल कांग्रेस के सुखराम बिश्नोई के सामने थे। सांचौर में सबसे 80.91 प्रतिशत मतदान हुआ जो पिछले चुनाव के प्रतिशत 81.40 से 0.49 प्रतिशत कम है।

इन सांसदों के क्षेत्र में मतदान बढ़ा

बालकनाथ- तिजारा

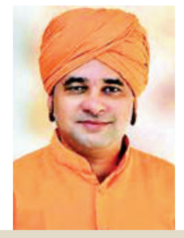

अलवर की तिजारा विधानसभा सीट पर सांसद बाबा बालकनाथ बीजेपी प्रत्याशी थे। यहां 2018 में 82.20 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार करीब 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 85.15 फीसदी मतदान हुआ है। बालकनाथ के सामने यहां कांग्रेस के इमरान खान ने चुनाव लड़ा।

भागीरथ चौधरी- किशनगढ़

अजमेर की किशनगढ़ सीट पर बीजेपी के सांसद भागीरथ चौधरी मैदान में थे। भाजपा के बागी विकास चौधरी कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर उनके सामने थे। सुरेश टांक ने चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया था। यहां इस बार 76.18 प्रतिशत मतदान हुआ है जो पिछले चुनाव से 1.48 प्रतिशत अधिक है।

दीया कुमारी- विद्याधरनगर

मौजूद विधायक नरपतसिंह राजवी के स्थान पर विद्याधरनगर से दीया कुमारी को भाजपा ने उतारा। कांग्रेस से सीताराम अग्रवाल दूसरी बार मैदान में हैं। भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर मतदान प्रतिशत 2.28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसे कांग्रेस अपने पक्ष में तो भाजपा अपने पक्ष में बता रही हैं।

किरोड़ीलाल मीणा- सवाईमाधोपुर

राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा के सामने यहां कांग्रेस के दानिश अबरार व निर्दलीय आशा मीणा हैं। यहां वोटिंग प्रतिशत 1.28 प्रतिशत बढ़ा है। वोटिंग प्रतिशत बढ़ने को तीनों ही प्रत्याशी अपने पक्ष में बता रहे हैं।

बिहाइंड द कर्टेन

आंकड़ों की ड्रिलिंग, अंधेरे में अनुमान

कोहरा, मावठ और बादल। कई इलाकों में दिन में भी रात का नजारा। गिरते तापमान में बढ़ती बैचेनी। सियासी हलकों में बिजली गिरने का डर। उधर उत्तर काशी में मजदूरों तक पहुंचने के लिए कई दिशाओं में ड्रिलिंग के बाद मिली सफलता। विज्ञान, भगवान और इंसान के बूते कामयाबी मिली। सत्रह दिन से सुरंग में फंसे श्रमिकों ने खुली हवा में सांस लेंगे। देश का सबसे बड़ा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन कामयाब हो गया। देश के करोड़ों लोग इसी का इंतजार कर रहे थे। बड़ी-बड़ी मशीनें फेल हो गई। आखिर में रेटर माइनर (चूहों की तरह खुदाई करने वाले) बुलाए गए। उनकी बदौलत ब्रेक थ्रू मिल गया। इधर सीटवार समीक्षा या आंकड़ों की ड्रीलिंग जारी है। मतदान के बाद चार दिन निकल गए। कोई भी अनुमान की सुरंग दूसरे छोर तक नहीं पहुंचा। बहुमत से अधिक सीटें मिलने का दावा। प्रचंड बहुमत का विश्वास। लगभग नजदीक पहुंचने की बात। फैसला विनम्रता से स्वीकार करने का ऐलान। जोड़-तोड़ की मशक्कत। नतीजे आने से पहले निर्दलीय और बागियों को रिझाने की जुगत। हर सीट के हिसाब से तैयारी। सभी जानना चाहते हैं कि क्या होने वाला है। चुनाव अभियान के दौरान और मतदान के बाद ग्राउंड रिपोर्ट देने वाले भी इधर-उधर की बात कर रहे हैं। कुछ लोग दावे कर रहे हैं। पर कोई मानने को तैयार नहीं है। कई बार गंभीर बात भी चुटकुला लगती है। चुनाव के पहले कई नेताओं को सीएम का दावेदार माना जा रहा था। अब उनमें से कितने जीतेंगे ये सवाल बड़ा होता जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई सीटों के अलग-अलग विश्लेषण आ रहे हैं। इस बीच नए नाम उभरने लगे हैं। कई बार पार्टियां ऐसे नाम मीडिया के जरिये प्लांट कर देती हैं। मामला इतना उलझा क्यूं है। परिणाम आने तक ऐसे ही चलता रहेगा। चार राज्यों की बात काफी हो चुकी। तेलंगाना में भी प्रचार का शोर थम गया। वहां तीस को मतदान होगा। नेताओं के जो जत्थे राजस्थान से हैदराबाद उड़ चले थे वे अब दिल्ली पहुंच गए हैं। वहां मोटे तौर पर चार पार्टियां मैदान में हैं। हर पार्टी का नेता बाकी तीन पार्टियों को मिला हुआ बता रहा है। एक उम्मीदवार ने मतदाताओं से बड़ी भावुक अपील की है। कहा है वोट नहीं दिया तो शव यात्रा में आइयेगा। आप अनुमान लगा सकते हैं किस तरह का इमोशनल ब्लैकमेल है। देखते हैं क्या होता है।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

असली मजा तो रिजल्ट के बाद आएगा

स्थान लालकोठी | **समय** दोपहर 1:15 बजे

जयपुर

जबसे मतदान का दिन निकला है, नेताओं के साथ जनता भी बेसब्री से 3 दिसंबर का इंतजार कर रही है। इस दिन जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा इसका प्रदेश के हर नागरिक को इंतजार है। यही सरकार वापस आकर प्रदेश की परंपरा को बदलेगी या नई सरकार देखने को मिलेगी, इसको लेकर हर कोई उत्सुक है। कहते हैं इंतजार का फल मीठा होता है, पर यह इंतजार किसी से किया नहीं जा रहा। हर कोई चुनाव विश्लेषक बना हुआ है और अपने अनुमान की सरकार बनाने में व्यस्त है। सरकार के साथ ही सीटों की गणित लगाई जा रही है, अपने इलाके के नुमाइंदे विधायक का चेहरा अनुमानों में तय किया जा रहा है और भावी मुख्यमंत्री की अपने कयासों में ताजपोशी की जा रही है। कुल मिलाकर माहौल अभी भी चुनावी ही है, बस चर्चा का चेहरा कुछ बदल गया है। राजनीतिक पार्टियां मतदान प्रतिशत के आधार पर दावे कर रही हैं। हर पार्टी कह रही है कि जनता ने उसे ही जनादेश दिया है। बाजारों, गलियों, चौराहों, सड़कों पर प्रचार-प्रचार का माहौल खत्म हुआ है लेकिन चुनावी रंग ज्यों का त्यों है। तो, जनता के बीच चल रहे कयासों से राजनीतिक रंग बटोरने हम पहुंचे लालकोठी स्थित एक टी स्टॉल पर। यहां बैठे ग्रुप्स में अलग-अलग चर्चाएं चल रही थी तो एक ग्रुप की चर्चा पर कान लगाए- "भाई इस बार तो कुछ समझ ही नहीं आ रहा किसको मिलेगी कुर्सी। बीजेपी में तो कुछ क्लीयर है ही नहीं, कांग्रेस में भी कोई पता नहीं। पिछली बार जैसा ही हाल है। पिछली बार भी जनता सोच रही थी किसके लिए और सीट मिल गई किसी को।" चाय की चुस्की लेते हुए भीम सिंह ने बात चलाई तो सामने बैठे दीनदयाल ने अपने गर्म चाय को फूंक मारकर ठंडा करते हुए कहा-"अंदर तो सब फिक्स है गुरू, बस रिजल्ट का इंतजार है और आलाकमान सब सैट कर देगा।" सामने बैठे मुकेश ने बात काटते हुए कहा- "आलाकमान क्या खाक सैट कर देगा, जिसके पास ज्यादा सीट आएंगी वो सैट करेगा। देखा नहीं क्या पहले, सारे आलाकमान कैसे घुटने टेकते हैं। पर इतना तो तय है, असली मजा तो रिजल्ट के बाद आएगा इस बार।" बड़ी गहरी बात को चाय की चुस्की के साथ निपटा तीनों ने बात खत्म कर दी।

पॉली क्लिक्स

चुनावी मशक्कत

मुख्यमंत्री गहलोत को कांग्रेस का सबसे मेहनती नेता माना जाता है। राजस्थान चुनाव में दिन-रात एक कर यहां मतदान होने के बाद गहलोत तेलंगाना चुनाव में पार्टी की चुनावी रणनीति को धार देने में लगे हैं। मंगलवार को गहलोत ने तेलंगाना के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विभिन्न बैठकों में शामिल होने के साथ ही ज्योतिबा फुले की तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित किए।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

हवा का रुख भांप पार्टियां बदल सत्ता सुख लेते रहे हैं बाड़मेर के नेता

■ **गुलाब बत्रा,** वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

भाजपा ने राजस्थान के पड़ौसी राज्य मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में जब सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को टिकट थमाया तो बवाल मच गया। इसकी प्रतिक्रिया में राजस्थान में इस रणनीति को सीमित दायरे में रखा गया। लेकिन पाकिस्तान की अन्तरराष्ट्रीय सीमा से लगे बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय क्षेत्र के जनप्रतिनिधि प्रथम आम चुनाव से लेकर अब तक बड़े सहज भाव से दिल्ली-जयपुर की चुनावी गाड़ी में सवार होते आ रहे हैं। ताजा तरीन उदाहरण कर्नल सोनाराम चौधरी का है। चार पारी में सांसद रहे सोनाराम अब दूसरी बार विधायक बनने की गरज से बाड़मेर के गुड़ामालानी क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे हैं। कर्नल सोनाराम के फौजी से सांसद-विधायक बनने की दिलचस्प कहानी आगे सुनेंगे। दूसरे जनप्रतिनिधि मानवेन्द्र सिंह भी सांसद की एक पारी खेल चुके हैं। पेशे से पत्रकार रहे मानवेन्द्र सिंह दूसरी बार विधायक बनने की जुगत में हैं। हरीश चौधरी के साथ-साथ दिवंगत तन सिंह और वृद्धिचंद जैन ने भी लोकसभा एवं विधानसभा में अपना स्थान बनाया। -क्रमशः

चार बार सांसद, एक बार विधायक रहे, फिर दौड़ में

पहला किस्सा कर्नल सोनाराम चौधरी का। जैसलमेर के मोहनगढ़, निवासी सोनाराम की संसदीय क्षेत्र में सार्वजनिक पहचान बनाने में एडवोकेट डालूराम चौधरी की काफी मदद रही। डालूराम एलएलबी की पढ़ाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सहपाठी रहे हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों की एलबम ने अपना

जादू दिखाया। तत्कालीन कांग्रेस नेता चन्द्रराज सिंघवी ने अपने राजनीतिक आका खांटी किसान नेता नाथूराम मिर्धा से इंजीनियर फौजी सोनाराम की मुलाकात कराई। एलबम देख मिर्धा ने जाट समुदाय के इस युवा को 1996 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीवी नरसिंह राव के माध्यम से टिकट दिलाया। बाडमेर क्षेत्र से लगातार तीन चुनाव जीते सोनाराम 2008 में कांग्रेस टिकट पर विधायक बने। बाड़मेर में नेहरू युवा संगठन के प्राण रहे पद्मश्री से सम्मानित मगराज जैन के सुपुत्र भुवनेश जैन ने यह कहानी सुनाई। यह बात दीगर है कि बाद में सोनाराम ने अपने मददगार डालूराम चौधरी से नाता तोड़ लिया और वह मगराज जी के घर आकर जार जार रोए। राजनेता बने कर्नल सोनाराम चौधरी ने वर्ष 2008 में कांग्रेस विधायक बनने पर अपने को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने का सपना भी देखा। वह 2013 में बायतू से हार गए। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक हालात बदल गए। पाला बदलकर कर्नल सोनाराम भाजपा प्रत्याशी बने और भाजपा के दिग्गज नेता जसवंत सिंह निर्दलीय उम्मीदवार थे। कर्नल और मेजर की चुनावी जंग में सोनाराम ने 87 हजार 461 मतों से जीत दर्ज की।

भाजपा से बने सांसद-विधायक, कांग्रेस ने नहीं मिली जीत

बात भाजपा के दिग्गज जसवंत सिंह के पुत्र मानवेन्द्र सिंह की। उन्होंने पत्रकारिता के साथ राजनीति में कदम रखा। वर्ष 2004 के लोकसभा

चुनाव में उन्होंने बाड़मेर क्षेत्र से कांग्रेस के कर्नल सोनाराम को 2 लाख 71 हजार 888 मतों के भारी अंतर से पराजित कर पिछले चुनाव की हार का बदला ले लिया। इस बार मानवेन्द्र सिंट को 6 लाख 37 हजार 851 वोट तथा कर्नल सोनाराम को 3 लाख 59 हजार 963 मत मिले। वर्ष 1999 के चुनाव में वह सोनाराम से केवल 32 हजार 140 वोटों से परास्त हुए। लोकसभा के तीसरे चुनाव में वर्ष 2009 में वह कांग्रेस के हरीश चौधरी से एक लाख 19 हजार 106 मतों के अंतर से पराजित हुए। वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव उनके पिता- जसवंत सिंह ने बतौर निर्दलीय प्रत्याशी लड़ा लेकिन पराजित हो गए। इस चुनाव में कर्नल सोनाराम के साथ हरीश चौधरी से भी उनका त्रिकोणात्मक मुकाबला था। लोकसभा चुनाव की पारी खेलने के पश्चात मानवेन्द्र सिंह ने विधानसभा चुनाव की पिच पर बल्लेबाजी की। वह शिव विधानसभा क्षेत्र में 2013 के चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज अमीन खां को 31 हजार 425 मतों के अंतर से पराजित करने में सफल रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन 7 दिसंबर से

भारत को विश्व गुरु बनाने पर फोकस अधिवेशन

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

हमारे देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि बहुत बड़े, प्रभावी और भविष्य के लिए दिशा देने की संभावनाओं वाले कार्यक्रमों में भी राजनीति का अंश नहीं हो तो इसकी व्यापक चर्चा नहीं होती। राजधानी दिल्ली में 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन इसी श्रेणी का कार्यक्रम है। परिषद 75 वां वर्षगांठ पूरा कर चुका है, इसलिए अमृत महोत्सव वर्ष के राष्ट्रीय अधिवेशन का अपना महत्व है। यह देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जिसकी इकाई भारत के प्रत्येक जिले में है। अध्ययन का कोई क्षेत्र नहीं जहां विद्यार्थी परिषद सक्रिय नहीं हो चाहे वह सरकार द्वारा संचालित हो या निजी संस्थान। पिछले दिनों परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत ने अधिवेशन के पूर्व के कार्यक्रमों, तैयारियों, योजनाओं आदि के बारे में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में जो जानकारियां दीं उनमें कई बातें आश्चर्य में डालने वालीं थीं। ज्यादातर छात्र संगठनों के अधिवेशनों का स्वर राजनीतिक होता है। सरकारों की आलोचनाएं होती हैं, कुछ मांग होतीं हैं। इस अधिवेशन में राजनीति के स्वर का अंश मात्र भी नहीं है। अधिवेशन का मुख्य फोकस इस पर है कि भारत विश्व गुरु यानी विश्व को दिशा देने वाले देश के रूप में किस तरह आगे बढ़ रहा है। एक राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास, इस दिशा में भारत और विश्व भर में क्या हुआ है, हो रहा है और भविष्य के क्या संकेत हैं आदि से संबंधित विमर्श के साथ अलग-अलग प्रदर्शनियां भी शामिल हैं। चूंकि अधिवेशन दिल्ली में है, इसलिए इंद्रप्रस्थ के वास्तविक इतिहास का विवरण होगा जिनमें मुगल और सल्तनत काल नाम देकर हाशिए में फेंक दिए गए महानायकों की गाथाएं होंगी। छात्रों और युवाओं के प्रेरणा के दो मुख्य कारक होते हैं, विचार और व्यक्तित्व।

> *सकारात्मक माहौल से आप कठिन परिस्थितियों पर भी विजय का आधार बना सकते हैं। युवाओं के बीच आशाओं और उम्मीदों से भरे सकारात्मक माहौल निर्मित करना कितना आवश्यक है यह बताने की आवश्यकता नहीं। अधिवेशन से संबंधित दो यात्राएं हैं। एक पूर्वोत्तर की यात्रा है जो 20 नवंबर को समाप्त हो गई। दूसरी यात्रा शिवाजी के केंद्र रायगढ़ से लेकर दिल्ली तक चल रही है, जो 2 नवंबर को खत्म होगी।*

भारत की विचारधारा ने कैसे इसे इतिहास में विश्व गुरु का स्थान दिया और किस तरह षड्यंत्रपूर्वक महानायकों तथा आध्यात्मिक और भौतिक उपलब्धियों को हटा दिया गया, इसका अवलोकन अधिवेशन में होगा। छत्रपति शिवाजी के राज्याभिषेक का 350वां वर्ष है। एक-एक भारतीय के लिए वो प्रेरणा के स्रोत हैं और आम परिवार से निकलकर विकट परिस्थितियों में सतत संघर्ष करते हुए भी आदर्श और मानक राज व्यवस्था स्थापित करने वाले वैश्विक व्यक्तित्व भी। शिवाजी की तरह और कुछ व्यक्तित्वों को भी प्रेरणा और भविष्य में काम करने की दिशा स्रोत के रूप में अधिवेशन में लिया गया है। स्वाभाविक ही 75 वर्ष पूरे करने पर संगठन ने अब तक क्या कुछ किया है उसे भी रखा जाएगा। इसका उद्देश्य भविष्य के कार्य के लिए दिशा देना है। वास्तव में एक छात्र संगठन के बारे में आमधारणा यही होती है कि यह विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के मुद्दों और समस्याओं तक सीमित होगा तथा इसकी मूल ध्वनि राजनीतिक होगी। अधिकतर साथ संगठन किसी राजनीतिक पार्टी की शाखा हैं।

परिषद के कार्यों के विवरण को देखें तो स्पष्ट हो जाएगा कि छात्र संगठन होने के बावजूद गतिविधियां शिक्षा और शिक्षालियों तक सीमित नहीं है। इसके आयाम के विवरण में थिंक इंडिया, मीडिया विजन, एग्री विजन, फार्मा विजन, जिज्ञासा, विकासार्थ विद्यार्थी विश्व विद्यार्थी युवा संघ, अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन शोध-कार्य, सेवार्थ विद्यार्थी, राष्ट्रीय कला मंच, सविष्कार, खेलो भारत, इंडि जीनियस आदि के साथ मिशन साहसी, ऋृतुमति अभियान, सामाजिक अनुभूति जैसे अभियान शामिल हैं। इन नामों से इनके हेतु का संकेत मिलता है। एक उदाहरण लीजिए। परिषद ने अमरकंटक से भुज तक नर्मदा यात्रा की और उससे संबंधित रिपोर्ट बनाई, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण में गए। नर्मदा नदी की सफाई व पर्यावरण से संबंधित पहलुओं सहित उनकी योजनाओं में परिषद की भूमिका अधिकृत रूप से संबंधित सरकारों में स्वीकृत है। इसी तरह समाज के वंचित तबकों के बीच सहयोग, सहायता व विकास के अनेक कार्यक्रम परिषद चलाता है। ये ऐसी बातें हैं जिनके बारे में आम भारतीय को पता नहीं। राजनीतिक दलों, नेताओं, बुद्धिजीवियों, एक्टिविस्टों के बड़े समूह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों के बारे में सतत दुष्प्रचार अभियान चलाया है, इसलिए जो प्रत्यक्ष नहीं जानते उनके अंदर कई गलतफहमियां होतीं हैं। विरोधियों की समस्या है कि बहुत कुछ देखते जानते हुए भी सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं कर सकते , क्योंकि इससे उनका दुष्प्रचार ध्वस्त हो जाएगा। सच कहा जाए तो इस तरह की गतिविधियां संगठन के व्यापक लक्ष्य को प्रमाणित करते हैं। संगठन की विचारधारा अगर भारत को सशक्त कर विश्व का श्रेष्ठतम देश बनना हो तो छात्रों को भी उस रूप में विचारधारा के साथ कार्य करने के लिए तैयार किया जाएगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

29 नवंबर: शायर अली सरदार जाफ़री का जन्मदिवस

नवंबर मेरा गहवारा है... ये मेरा महीना है

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *अली सरदार जाफ़री न सिर्फ़ एक बुलंद पाया शायर थे, बल्कि बहुत अच्छे गद्यकार थे। 'लखनऊ की पांच रातें' उनकी शाहकार किताब है। अली सरदार जाफ़री एक अदीब के साथ-साथ जर्नलिस्ट भी थे और उन्होंने जर्नलिज्म के फ़र्ज़ को भी अंज़ाम दिया। लखनऊ में उन्होंने मजाज़ और सिब्ते हसन के साथ मिलकर एक मैगज़ीन 'नया अदब', तो मुंबई में कम्युनिस्ट पार्टी का हफ़्तेवार अख़बार 'कौमी जंग' और 'नया ज़माना' का सज्जाद ज़हीर के साथ मिलकर सम्पादन किया।*

नवंबर, तरक्की पसंद शायर अली सरदार जाफ़री की पैदाइश का महीना है। इस महीने की 29 तारीख (साल-1913) को उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक ज़मींदार घराने में उनकी पैदाइश हुई। अपनी एक नज़्म में वे इस बात का ज़िक्र कुछ इस अंदाज़ में करते हैं, ''नवंबर, मेरा गहवारा है, ये मेरा महीना है/इसी माहे-मन्नवर में/मेरी आंखों ने पहली बार सूरज की सुनहरी रौशनी देखी/मेरे कानों में पहली बार इंसानी सदा आई।'' अली सरदार जाफ़री एक अकेले शख़्स का नाम नहीं, बल्कि एक पूरे अहद और तहरीक का नाम है। उनका अदबी काम, सियासी-समाजी तहरीक में हिस्सेदारी और तमाम तहरीरें इस बात की तस्दीक करती हैं। वे न सिर्फ़ एक जोशीले अदीब, इंकलाबी शायर थे, बल्कि मुल्क की आज़ादी की तहरीक में भी उन्होंने सरगर्म हिस्सेदारी की। अली सरदार जाफ़री तरक्कीपसंद तहरीक के बानियों में से एक थे और आख़िरी वक्त तक वे इस तहरीक से जुड़े रहे। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी अदब और आंदोलनों के नाम कर दी थी। चाहे आज़ादी का आंदोलन हो, कामगार-मज़दूरों के धरने-प्रदर्शन, स्टूडेंट्स मूवमेंट हो या फिर अदीबों का आंदोलन वे इन सभी आंदोलनों में हमेशा पेश-पेश रहते थे। अली सरदार जाफ़री का संघर्ष मुल्क की आज़ादी तक ही महदूद नहीं रहा, आज़ादी के बाद उन्होंने एक अलग लड़ाई लड़ी। यह लड़ाई थी देश में लोकतांत्रिक मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, राष्ट्रीय एकता और अखंडता काइमी की। देश की समृद्ध विरासत और गंगा-जमुनी तहज़ीब को बचाने की। निदा फाज़ली ने अपने एक लेख में अली सरदार जाफ़री के बारे में क्या ख़ूब कहा है, ''सरदार जाफ़री, नाम से मुसलमान थे, लेकिन अपने काम से लम्बी तारीख के सेक्युलर हिंदुस्तान थे।''

अली सरदार जाफ़री की ज़िंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने लेनिन की जीवनी पढ़ी। इस क़िताब ने उनकी पूरी ज़िंदगी बदल दी और उन्हें जीने का एक नया मकसद दे दिया। बहरहाल, सरदार जाफ़री ने जब अपनी पहली नज़्म 'समाज' लिखी, तो उसने जैसे उनके अदब की पूरी दिशा तय कर दी। ''तमन्नाओं में कब तक ज़िंदगी उलझाई जाएगी/खिलौने दे के कब तक मुफ़लिसी बहलाई जाएगी।'' अली सरदार जाफ़री के दिल में मेहनतकशों की जानिब सहानुभूति बचपन से ही थी। अवध के सामंती निज़ाम में उन्होंने किसानों का शोषण देखा था। उनका कहना था,''मेहनतकश चाहे खेत के खुले वातावरण में काम करने वाला किसान हो या मिल की क़फ़स में कार्यरत मज़दूर, शोषण तो उसका हर जगह होता है। सब से अधिक दुख तो इस बात का है कि बाल श्रमिक भी इस शोषण से नहीं बच पाया है।'' अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ़ आंदोलन और साम्राज्य विरोधी नज़्मों की वजह से उन्हें कई मर्तबा जेल भी जाना पड़ा। सरदार जाफ़री की शायरी में कई मर्तबा विचार इतना हावी हो जाता था कि कुछ रूमानी-इश्क़िया शायरी करने वाले शायरों को उनके शायर होने पर भी एतराज़ था। लेकिन अपनी इन आलोचनाओं के बाद भी उन्होंने अपनी शायरी का मौज़ूअ और स्टाइल नहीं बदला। जो उनके दिल को सही लगा, वही लिखा। उन मसलों और मुद्दों पर भी लिखा, जिसे शायर ग़ज़ल या नज़्म का मौज़ूअ नहीं मानते।

अली सरदार जाफ़री, मिज़ाज से इंकलाबी शायर हैं। उन्होंने गज़लों के बजाय ज्यादातर नज़्में लिखीं और उनकी इन नज़्मों में वर्ग चेतना साफ़ तौर पर दिखलाई देती है। ''मां है रेशम के कार-ख़ाने में/बाप मसरूफ़ सूती मिल में है/कोख से मां की जब से निकला है/बच्चा खोली के काले दिल में है ।'' सरदार जाफ़री सियासी और समाजी मसलों को यथार्थवादी नज़रिए से देखते हैं। दुनिया भर के घटनाक्रमों पर उनकी नज़र रहती थी। लिहाज़ा कहीं पर भी कुछ ग़लत होता, किसी के साथ नाइंसाफ़ी और ज़ुल्म होता उनकी कलम आग उगलने लगती। 'नई दुनिया को सलाम' नज़्म में वे मेहनत और मेहनतकशों की अहमियत का ज़िक्र इन अल्फ़ाज़ के साथ करते हैं, ''चांद की तरह गोल और सूरज की मानिंद गर्म/आह ये रोटियां आसमानों में पकती नहीं हैं ।'' साल 1944 में आए अली सरदार जाफ़री के पहले काव्य संग्रह 'परवाज़' में ऐसी कई रचनाएं मिल जाएंगी, जिनमें किसानों और मज़दूरों की दुर्दशा का ही अकेला चित्रण नहीं है, बल्कि इन रचनाओं के आख़िर में वे उन्हें क्रांति के लिए आवाज़ भी देते हैं। सरदार जाफ़री यह बात अच्छी तरह से जानते थे कि मुल्क में यदि जम्हूरियत की क़ाइमगी होगी, तो वह इन्हीं के दम पर मुमकिन होगी। अली सरदार जाफ़री ने अपनी शायरी में धार्मिक आडंबर, रूढ़ियों और कर्मकांडो का भी खुलकर विरोध किया। ''लहू चूसा मज़े ले- लेके मज़हब ने ख़ुदाई का/बिछाया जाल पीराने कुहन ने पारसाई का।'' अली सरदार जाफ़री ने न सिर्फ़ साम्राज्यविरोधी, फासीवाद विरोधी शायरी की बल्कि अपनी शायरी में सामंतवाद और सरमायेदारी की भी पुर— ज़ोर मुखालफ़त की। अली सरदार जाफ़री की नज़्मों की कोई भी क़िताब उठाकर देख लीजिए, उनमें इंकलाबी नज़्में ज़रूर मिलेंगी। यही नहीं सियासी बेदारी की वजह से देश-दुनिया में जब भी कोई बड़ा वाक़िआ होता, अली सरदार जाफ़री उसे अपनी नज़्म में ज़रूर ढालते। 'बगावत', 'अहद-ए-हाज़िर', 'सामराजी लड़ाई', 'इंकलाब-ए-रूस', 'मल्लाहों की बगावत', 'फ़रेब', 'सैलाब-ए-चीन', 'जश्न-ए-बगावत' आदि नज़्मों में उन्होंने अपने समय के बड़े सवालों की अक्कासी की है।

अली सरदार जाफ़री का नाम, मुल्क की उन बावकार हस्तियों में भी शुमार होता है, जो हिंद-पाक दोस्ती के बड़े हामी थे और इस दोस्ती के लिए उन्होंने भरपूर काम भी किया। पाकिस्तान में कई मर्तबा सद्भावना यात्राएं करने के अलावा उन्होंने दोनों मुल्कों के सियासतदां और अवाम को आपस में मिलाने के लिए कोशिशें कीं। उनकी नज़्म 'गुफ्तगू' इसी पस-ए-मंज़र में लिखी गई है,''गुफ़्तगू बंद न हो/बात से बात चले/सुबह तक शाम-ए-मुलाकात चले/हम पे हँसती हुई ये तारों भरी रात चले।'' 'परवाज़', 'जम्हूर', 'नई दुनिया को सलाम', 'ख़ून की लकीर', 'अम्न का सितारा', 'एशिया जाग उठा', 'पत्थर की दीवार', 'एक ख़्वाब और', 'पैराहन-ए-शरर', 'लहु पुकारता है', 'मेरा सफ़र' अली सरदार जाफ़री के नज़्मों-ग़ज़लों के अहम मजमूए हैं। अली सरदार जाफ़री ने तरक्कीपसंद तहरीक पर एक आलोचनात्मक क़िताब 'तरक्कीपसंद अदब' लिखी, तो 'दीवान-ए-गालिब', 'दीवान-ए-मीर' और 'कबीर बानी' वे क़िताबें हैं जिनमें गालिब, मीर की शायरी पर गंभीर विश्लेषण है, तो 'कबीर बानी' में वे कबीर के 128 प्रमुख पदों का विचारोत्तेजक विश्लेषण करते हैं। 'यह ख़ून किसका है' और 'पैकार' सरदार जाफ़री द्वारा लिखे गए नाटक हैं, वहीं किताब 'मंज़िल' में उनकी कहानियां संकलित हैं। 'पैगम्बरान-ए-सुखन', 'इकबाल शनासी', 'गालिब का सूफ़ियाना खयाल' अली सरदार जाफ़री की आलोचनात्मक क़िताबें हैं।

अली सरदार जाफ़री एक सच्चे इंसाफ़ पंसद और इंसान दोस्त शायर थे। उन्होंने हमेशा अपनी शायरी में इंसानियत और भाईचारे की पैरोकारी की। उनकी शायरी इंसान-दोस्ती और इंसानियत की एक बेहतरीन मिसाल है। उनकी नज़्में, ग़ज़ल, तमाम मज़ामीन और तकरीरें हमारे दिल में एक नई उम्मीद जगाती हैं। मुस्तकबिल के लिए उनमें एक पैगाम है। इस अज़ीम शायर ने अपनी पूरी ज़िंदगानी मज़लूम और मेहनतकश इंसानों के हक और इंसाफ़ की लड़ाई लड़ने में गुज़ार दी। उनके रंज-ओ-ग़म, समस्याओं को अपनी नज़्मों-ग़ज़लों में आवाज़ दी। आज भले ही सरदार जाफ़री हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी नज़्मों-ग़ज़लों में वे हमेशा ज़िंदा रहेंगे।''मैं सोता हूं और जागता हूं/और जाग कर फिर सो जाता हूं/सदियों का पुराना खेल हूं मैं/मैं मर के अमर हो जाता हूं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

राजनीति भी है विज्ञान!

ब्रजेश कानूनगो
व्यंगकार

मैं हमेशा सोचता रहता था कि राजनीति को विज्ञान क्यों कहा जाता है? मेरी धारणा थी कि जहाँ राजनीति होती है वहाँ विज्ञान तो हो ही नही सकता। हालांकि आजकल वैज्ञानिक संस्थानों में राजनीति प्रवेश करने लगी है लेकिन केवल इस कारण से तो राजनीति को विज्ञान नहीं कहा जा सकता। जैसे वैज्ञानिक अपने प्रोजेक्ट की सफलता के लिए पूजा अर्चना करता है तो वह कोई पुजारी नहीं हो जाता, वह वैज्ञानिक ही बना रहता है।

एक बार हम गृह लक्ष्मियों और सौभाग्यकांक्षी कन्याओं को वैज्ञानिक मान सकते हैं क्योंकि गृहकार्य निपटाने में उन्हे सैंकड़ों प्रयोग प्रतिदिन करना पड़ते हैं। गृह विज्ञान,विज्ञान है इसमें कोई शक नहीं है। वैवाहिक विज्ञापनों में भी गृहकार्य में दक्ष कन्याओं के स्थान पर कुशल वैज्ञानिक लिखे जाने पर मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन राजनीति को विज्ञान माना जाना गले नहीं उतर रहा है।

मैंने अपना प्रश्न राजनीतिक मित्र साधुरामजी के समक्ष रखा तो वे बोले-'बन्धु प्रश्न उत्तम है,शंका लाजिमी है पर तुम भ्रमित हो। अपना भ्रम दूर कर लो और मान लो कि राजनीति भी विज्ञान ही है और सारे राजनीतिज्ञ वैज्ञानिक हैं, जो किसी न किसी प्रयोग में लगे हुए हैं। विज्ञान में क्या है, कोई न्यूटन या आर्किमिडीज कोई सिद्धांत प्रतिपादित कर जाता है। आने वाली वैज्ञानिक पीढ़ी उसी को आधार बनाकर अपने अनुसन्धानों को आगे बढ़ाने लगती है।

इसी तरह नेताओं के पितृ पुरुष (या मातृ स्त्री) कोई विचार, वाद या सूत्र तय कर देता है और अगले राजनीतिज्ञ उसे आगे बढाने, उसका संचालन और प्रचार-प्रसार करने में जुट जाते हैं। विज्ञान में प्रयोग किए जाते हैं,परीक्षण किए जाते हैं। राजनीति में भी ऐसे ही प्रयोग-परीक्षणों को आगे लाया जाता है। रथयात्रा प्रयोग, अल्पसंख्यक सद्भावना प्रयोग,क्षेत्रीय भाषा उद्बोधन प्रयोग, युवा सम्मोहन मंत्र उदघोष परीक्षण, सायकिल-लेपटॉप, मोबाइल वितरण प्रयोग, आलू-प्याज वितरण परीक्षण, योग-सत्ता संमिश्रण प्रक्रिया, सीबीआई, ईडी ज्वाला प्रक्षेपण कार्यक्रम, तीसरा मोर्चा गठन अभियान, मूर्ति-स्मारक निर्माण प्रबन्धन, दल विशेष मुक्त राष्ट्र की अवधारणा का प्रतिपादन, मुफ्त राशन वितरण, आदि ये सब क्या हैं? प्रयोग ही तो हैं जो राजनीति में, राजनीतिज्ञों द्वारा किए जाते हैं,किए जा रहे हैं।' साधुरामजी बोले जा रहे थे।

'वैज्ञानिक अपने प्रयोगों और अनुसन्धानों से हमें अंतरिक्ष में पहुंचाने में सफल होते हैं तो राजनीतिज्ञ अपने बयानों और वादों के जरिए नागरिकों को हवाई सैर करवाने का दम-खम रखते हैं। और भी कई समानताएँ हैं,यह तो कुछ नमूने थे। मैं समझता हूँ अब तुमको मान लेना चाहिए कि राजनीति विज्ञान ही है।' और मैने मान लिया-सचमुच विज्ञान की एक उपशाखा राजनीति भी है।

नॉलेज कॉर्नर: क्या जीवों की तरह मनुष्य में भी होती पुनर्जनन की क्षमता!

दोबारा विकसित हो सकता है इंसान का ये अंग

इस दुनिया में कई जीव हैं जो अपने शरीर के अंगों को त्याग कर उन्हें फिर से उगा या बना लेते हैं। इनमें छिपकली सबसे सरल उदाहरण है। छिपकली की पूंछ अगर कभी कट जाए तो वो कुछ दिनों में उसे वापिस उगा लेती है। इसी तरह सांप अपनी स्किन के साथ करता है और केकड़े अपनी खोल के साथ। यानी की धरती पर रहने वाले जीवों में ये गुण मौजूद है। हालांकि, इंसानों के साथ अभी तक ऐसा संभव नहीं हो पाया था। कई रिसर्च दशकों से चल रहे हैं कि कैसे इंसान अपने कटे हुए अंगों को फिर से उगा सकते हैं। हालांकि, इससे इतर हमारे शरीर के भीतर मौजूद एक अंग में ये खूबी होती है कि वह अपने आप को फिर से पूरी तरह से बना सकता है। चलिए आपको उस अंग के बारे में बताते हैं।

कौन सा है वो अंग

हम जिस अंग की बात कर रहे हैं वो लीवर है। लीवर शरीर के भीतर मौजूद एक ऐसा अंग है जो अगर कट जाए तो वो अपने आप को फिर से बना लेता है। दरअसल, इस अंग की कोशिकाओं में रीजनरेशन के गुण होते हैं। इसे ऐसे समझिए कि लीवर की पुनर्निर्माण में लीवर की बची हुई हीपेटोसाइट्स कोशिकाएं काम करती हैं। ये कोशिकाएं विभाजित होकर बहुगुणित हो जाती हैं, जिससे खराब हो चुका ऊतक फिर से बन कर तैयार हो जाता है। इसी के कारण लीवर फिर से अपना पूरा स्वरूप हासिल कर लेता है।

वहीं लिवर के काम की बात करें तो लीवर शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों और गैसों को छानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही ये शरीर के लिए पोषक तत्वों को भी इकट्ठा करता है।

फिर लिवर ट्रांसप्लांट क्यों होता है

अब सवाल उठता है कि अगर लिवर खुद को फिर से बना लेता है तो फिर जिनका लिवर खराब हो जाता है, उन्हें इसे ट्रांसप्लांट क्यों कराना पड़ता है। इस सवाल पर एक्सपर्ट्स कहते हैं कि लिवर ट्रांसप्लांट की वजहें दूसरी होती हैं। उनका कहना है कि जब किसी मरीज का लिवर तो पूरा होता है लेकिन उस लिवर का कोई खास हिस्सा काम नहीं करता तब ऐसा करना पड़ता है। इसी तरह से कुछ लिवर की बीमारियां ऐसी होती हैं जो अगर आपको हो जाएं तो लिवर अपने आपको फिर से नहीं बना पाता। ऐसा सिरोसिस जैसी बीमारी में होता है। इस बीमारी के होने पर लिवर अपना पुनर्निर्माण नहीं कर पाता।

लिवर का कार्य

लिवर हमारे शरीर में भोजन पचाने से लेकर पित्त बनाने तक का काम करता है। लिवर शरीर को संक्रमण से लड़ने, ब्लड शुगर को कंट्रोल करने, शरीर से विषैले पदार्थों को निकालने, फैट को कम करने और कार्बोहाइड्रेट को स्टोर करने से लेकर प्रोटीन बनाने में मदद करता है। लिवर पूरे शरीर को डिटॉक्स करता है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
अविस्मरणीय समर्थन के लिए हैदराबाद के लोगों का हार्दिक आभार! यह स्पष्ट है कि भाजपा तेलंगाना की पसंदीदा पसंद के रूप में उभर रही है, जो राज्य की प्रगति और समृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
मनुष्य का खुद पर विश्वास होना आवश्यकत है, क्योंकि अपने रास्ते पर वह स्वयं ही चलता है

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
हर दिन नहीं तो कम से कम महीने में एक बार, जायजा लें - क्या आप एक बेहतर इंसान में तब्दील हो रहे हैं।

तेलंगाना में चुनाव सभा में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, कहा...

देश से नफरत मिटाना मकसद, इसलिए मोदी को हराना जरूरी: राहुल

एजेंसी | हैदराबाद

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि उनका लक्ष्य देश में नफरत खत्म करना है और इसके लिए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराना जरूरी है। उनका कहना था, अगर मोदी को दिल्ली में हराना है तो सबसे पहले बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को तेलंगाना में हराना होगा।

उन्होंने यहां नामपल्ली में एक चुनावी सभा में यह बात कही। उन्होंने आरोप भी लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री मोदी और कट्टरपंथियों ने पूरे देश में नफरत फैला दी है। राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि कांग्रेस ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने का नारा दिया था।

उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ 24 मामले दर्ज कर दिए गए क्योंकि वह प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं।

कांग्रेस नेता का कहना था, पहली बार ऐसा हुआ कि मानहानि के मामले में दो साल की सजा मिली। मेरी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मेरा सरकारी घर छीन लिया गया। मैंने कहा कि मुझे यह नहीं चाहिए। मेरा घर देश के करोड़ों गरीबों के दिलों में है। सांसदों एवं विधायकों के मामलों की सुनवाई करने वाली उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने सोमवार को गांधी को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से संबंधित 2018 के मानहानि मामले में तलब किया।

राहुल गांधी ने यहां रैली में अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की अदालत द्वारा उन्हें समन भेजे जाने का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, लड़ाई वैचारिक है और मैं इससे समझौता नहीं कर सकता।

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को हैदराबाद की जुबली हिल सीट से पार्टी प्रत्याशी अजहरुद्दीन के साथ एक ऑटोरिक्शा में सफर करते हुए।

क्या कोई एजेंसी ओवैसी के पीछे पड़ी है, वे मदद करते हैं पीएम की

राहुल ने एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर भी हमला बोला और सवाल किया कि आखिर हैदराबाद के सांसद के खिलाफ कितने मामले दर्ज हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां हमेशा उनके पीछे पड़ी रहती हैं, लेकिन क्या कोई एजेंसी ओवैसी के पीछे पड़ी है? उन्होंने दावा किया, सवाल उठता है कि ओवैसी के खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है और इसका जवाब यह है कि एआईएमआईएम अध्यक्ष, प्रधानमंत्री मोदी की मदद करते हैं। राहुल गांधी ने एआईएमआईएम पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न राज्यों में भाजपा की मदद करने के लिए अपने उम्मीदवार उतारने का भी आरोप लगाया।

बीआरएस, बीजेपी व AIMIM एक साथ कर रहे हैं काम

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बीआरएस, भाजपा और एआईएमआईएम एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, क्या केसीआर के खिलाफ कोई मामला है....वह सबसे भ्रष्ट सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां केसीआर या एआईएमआईएम के पीछे नहीं हैं।

केरल: राज्यपाल ने एक विधेयक को मंजूरी दी

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य सरकार की एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बीच विधानसभा से पारित आठ में से एक लंबित विधेयक को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार की याचिका में राजभवन पर विधेयकों को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी करने का आरोप लगाया गया है। राजभवन की ओर से मंगलवार को कहा गया है कि राज्यपाल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विधेयक को मंजूरी दे दी है, जबकि विवादित विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक समेत सात विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए उनके पास लंबित है।

सेंथिल बालाजी की बेल याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को द्रमुक के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई से यह कहकर इनकार कर दिया कि उनकी बीमारी गंभीर प्रकृति की या जानलेवा प्रतीत नहीं होती। बालाजी को धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है। बालाजी ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने 19 अक्टूबर को उनकी जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि बालाजी नियमित जमानत के लिए निचली अदालत जा सकते हैं।

तेलंगाना: आखिरी चुनाव रैली में दार्शनिक हुए केसीआर, कहा...

फरवरी में 70 साल का हो जाऊंगा मैं तो विकास चाहता हूं... पद नहीं

एजेंसी | गजवेल/वारंगल (तेलंगाना)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को दार्शनिक रुख अपनाते हुए कहा कि वह अगले साल फरवरी तक 70 वर्ष के हो जाएंगे और वह केवल राज्य का विकास चाहते हैं, पद नहीं। राव ने गजवेल में मौजूदा चुनाव अभियान में अपनी आखिरी रैली को संबोधित किया। राव वर्तमान में गजवेल से विधायक हैं। राव गजवेल सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजपा ने अपने विधायक एटाला राजेंदर को के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के खिलाफ खड़ा किया है, जिससे इस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव बहुत रोचक हो गया है। उन्होंने गजवेल के मतदाताओं को विधायक चुनने के लिए धन्यवाद देते हुए आश्वासन दिया कि यदि एक बार उन्हें और मौका मिला तो निर्वाचन क्षेत्र का और विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा, अगामी फरवरी तक मैं 70 साल का हो जाऊंगा।

आप सभी के आशीर्वाद से तेलंगाना को राज्य का दर्जा मिलना अपने आप में मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। पद महत्वपूर्ण नहीं हैं। मैं पिछले 10 साल से मुख्यमंत्री हूं। भविष्य में तेलंगाना एक महान राज्य बने, यही मेरी महत्वाकांक्षा है। राव ने उम्मीद जताई कि तेलंगाना 100 प्रतिशत साक्षरता हासिल करेगा और गरीबों को मुफ्त में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं दी जाएंगी। राव ने यह भी कहा कि उनका सपना तेलंगाना को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का केंद्र बनाना है।

वारंगल में टेक्सटाइल पार्क का वादा

तीस नवंबर के विधानसभा चुनावों में बीआरएस उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए राव ने यहां अपनी 95वीं चुनावी रैली में वादा किया कि यदि उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई तो वारंगल को अतिरिक्त नागरिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाएगा। साथ ही, वारंगल के पास एक बड़ा टेक्सटाइल पार्क एक लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। हम इस शहर में कई उद्योग लाएंगे। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कार्यकाल में कोई विकास नहीं हुआ। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास कार्य जारी रखने के लिए बीआरएस को फिर से सत्ता में लाने की जरूरत है।

इंदिरा गांधी का शासन 'मुठभेड़ों और हत्याओं' से भरा था: केसीआर

राव ने आरोप लगाया, आज कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि अगर वे जीते तो इंदिराम्मा राज्यम लाएंगे। इंदिराम्मा राज्यम कौन चाहता है? इंदिराम्मा राज्यम में क्या हुआ था? यदि यह इतना अच्छा होता, तो एनटीआर को पार्टी क्यों बनानी पड़ती और दो रुपये प्रति किलोग्राम चावल की पेशकश क्यों करनी पड़ती। इंदिराम्मा राज्यम आपातकाल, मुठभेड़ों, गोलीबारी और हत्याओं से भरा था। उन्होंने आरोप लगाया कि 1969 में कांग्रेस शासन के दौरान तेलंगाना को अलग राज्य बनाने के आंदोलन के दौरान लगभग 400 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

तेलंगाना: प्रचार अभियान थमा, कल होगा मतदान

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम पांच बजे थम गया और अब 30 नवंबर को राज्य में मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए 2.5 लाख से अधिक कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में तैनात होंगे। पूरे राज्य में दंड प्रकिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

तीसरी बार सत्ता में आने का प्रयास

भारत राष्ट्र समिति लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में है जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए जी जान लगा रही है और भाजपा ने भी सत्ता में आने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राज्य के दिग्गज नेता चुनाव मैदान में हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा

नेता प्रतिपक्ष अधिकारी को शीतकालीन सत्र के लिए किया निलंबित

एजेंसी | कोलकाता

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के मामले में पूरे शीतकालीन सत्र के लिए मंगलवार को निलंबित कर दिया गया।

राज्य विधानसभा में संविधान दिवस के मौके पर हुई चर्चा के दौरान अधिकारी के निलंबन का आदेश जारी किया गया। विधानसभा में नियम 169 के तहत इस विषय पर चर्चा का प्रस्ताव रखा गया था कि देश का संविधान किस तरह खतरे में है।

चर्चा में भाजपा विधायक शंकर घोष ने हैरानी जताते हुए कहा कि भाजपा छोड़कर गए विधायक विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिए बिना अब भी अपने पदों पर हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने बयान को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटाने के निर्देश जारी किए, जिसके बाद विपक्ष के नेता अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायक आसन के समीप आ गए और बनर्जी के खिलाफ नारे लगाने लगे।

फैसला असंवैधानिक: भाजपा

भाजपा विधायक दल ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को 'असंवैधानिक' बताया और सदन से वॉकआउट किया। बाद में तृणमूल कांग्रेस के विधायक तापस राय ने अधिकारी के खिलाफ प्रस्ताव पेश कर उन्हें सदन से निलंबित किए जाने की मांग की जिसे अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया। अधिकारी ने कहा कि अध्यक्ष और सत्तारूढ़ दल असंवैधानिक तरीके से काम कर रहे हैं। भाजपा विधायक दल चालू सत्र में विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है।

मप्र: शिवराज को पांचवी बार जीत की उम्मीद...

लाड़ली बहना योजना बनेगी सहारा!

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्वास जताया है कि भाजपा राज्य में पांचवीं बार सरकार बनाएगी। महिलाओं के लिए अपनी सरकार की प्रमुख 'लाडली बहना योजना' का जिक्र करते हुए, चौहान ने सोमवार रात कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से प्रयास किए हैं और लाडली बहना (योजना के लाभार्थियों) ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी बाधाओं को दूर कर दिया है।

वह सीहोर जिले में अपने गृह क्षेत्र बुधनी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। चौहान के नेतृत्व वाली प्रदेश भाजपा सरकार ने सबसे पहले इस साल मार्च में लाडली बहना योजना की घोषणा की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 1,250 रुपए प्रति माह दिए जाते हैं और जून से वित्तीय सहायता का वितरण शुरू किया गया। शुरुआत में इस योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही थी और अगस्त में इसे बढ़ाकर 1,250 रुपए कर दिया गया।भाजपा ने इससे पहले राज्य में 2003, 2008, 2013 और 2020 में सरकार बनाई थी। चौहान ने विश्वास जताते हुए कहा कि भाजपा तीन दिसंबर को मप्र में पांचवीं बार सरकार बनाएगी।

पीएम व गृह मंत्री के बयानों पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कथित 'आपत्तिजनक बयानों' के मामले में मंगलवार को निर्वाचन आयोग से जल्द कार्रवाई की मांग की। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के पदाधिकारियों से मुलाकात कर यह आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक मनु सिंघवी और सलमान खुर्शीद के अलावा पार्टी नेता गुरदीप सप्पल, प्रणव झा और विनीत पुनिया शामिल थे।

यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मंगलवार को शीतकालीन सत्र शुरू हुआ। सदन में अपनी बात कहते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

कर्नाटक: बोर्ड, निगमों में नियुक्तियों पर मंत्रणा

सुरजेवाला बेंगलुरु में, गरमाई प्रदेश कांग्रेस की अंदरूनी सियायत

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक में विभिन्न बोर्ड और निगमों में नियुक्तियों को लेकर कांग्रेस में जारी चर्चा के बीच प्रदेश के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि इस विषय पर उनके साथ कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। बहरहाल, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि किसी भी नेता से संपर्क नहीं किया गया है, क्योंकि प्रक्रिया अभी भी शुरुआती चरण में है।

कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी की राज्य इकाई के नेतृत्व के साथ इस विषय पर चर्चा के लिए बेंगलुरु में हैं। पिछले सप्ताह भी उन्होंने यहां इस मुद्दे पर चर्चा की थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बोर्ड और निगमों में नियुक्तियां उन मुद्दों में से एक हैं जिन पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कुछ मतभेद थे। गृह मंत्री परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, नहीं, मुझसे सलाह नहीं ली गई है। मैं आठ साल तक पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष था और इसके बारे में सुझाव दे सकता था कि मौजूदा हालात में राजनीतिक रूप से कौन फायदेमंद होगा।

वरिष्ठता को लेकर अपनी राय दे सकता था। उन्होंने आगे कहा, वे (पार्टी नेतृत्व) भी इसके बारे में जानते हैं, लेकिन अगर हमसे भी सलाह ली जाती, तो अच्छा होता। वे अंततः आलाकमान की सहमति लेने के बाद निर्णय ले सकते हैं। उन्हें ऐसा करने दीजिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सूची को कब अंतिम रूप दिया जाएगा।

"किसी भी नेता से संपर्क नहीं किया गया है, क्योंकि प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है।सूची को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

सिद्धारमैया
मुख्यमंत्री, कर्नाटक

"इस विषय पर मेरे साथ कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। सलाह ली जाती, तो अच्छा होता। वे अंततः आलाकमान की सहमति लेने के बाद निर्णय ले सकते थे।

गृह मंत्री जी परमेश्वर

किसी से राय नहीं ली: सिद्धारमैया

परमेश्वर की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, केवल परमेश्वर ही नहीं, किसी की भी राय अभी तक नहीं ली गई है। चर्चा अभी प्रारंभिक चरण में है। सूची को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, इसलिए इस पर मेरा टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

शिवकुमार ने दे दिया था नियुक्तियों का संकेत

शिवकुमार ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं दोनों को बोर्ड एवं निगमों में नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने यह संकेत भी दिया था कि लगभग 15 से 20 विधायकों और एमएलसी को बोर्ड एवं निगमों में समायोजित किया जाएगा तथा समर्पित कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारियां दी जाएंगी।

सूची पर मंत्रणा जारी, आलाकमान को भेजा जाएगा: शिवकुमार

उधर, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों और कार्यकर्ताओं को राज्य के विभिन्न बोर्ड एवं निगमों में प्रमुख पदों पर नियुक्त करने के संबंध में चर्चा जारी है और सूची को अंतिम रूप दिए जाने पर इसे मंजूरी के लिए पार्टी आलाकमान को भेजा जाएगा। शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भी अध्यक्ष हैं। सुरजेवाला के साथ मुलाकात से संबंधित सवाल पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह हमारा नियमित काम है...वह व्यस्त थे। हमने दो से तीन दौर की बैठकें की हैं। सूची दिल्ली जानी है, उसके बाद हम आप लोगों को सूचित करेंगे।

जरूरी खबर

अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण में अमेरिका देगा सहयोग

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत के खुद के अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण में नई दिल्ली का सहयोग करने के लिए वाशिंगटन तैयार है। नेल्सन ने कहा कि अमेरिका भारत अगले साल के अंत तक एक भारतीय को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने की योजना पर काम कर रहे हैं। नेल्सन ने कहा, अंतरिक्ष यात्री का चयन इसरो करेगा। नासा चयन नहीं करेगा। नेल्सन ने कहा, भारत 2040 तक एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन चाहता है। अगर भारत चाहता है कि हम उसके साथ सहयोग करें, तो निश्चित रूप से हम उपलब्ध होंगे।

मणिपुर हिंसा: शवों के अंतिम संस्कार का निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर में मुर्दाघरों में रखे शवों को दफनाने या दाह-संस्कार सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को निर्देश जारी किए। पूर्वोत्तर राज्य में मई में भड़की जातीय हिंसा में कई लोग मारे गए थे।प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे. बी. पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्र की पीठ ने उल्लेख किया कि शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों की सर्व-महिला समिति द्वारा दायर रिपोर्ट में मणिपुर में मुर्दाघरों में पड़े शवों की स्थिति का संकेत दिया गया है। पीठ ने कहा कि 169 शवों की पहचान कर ली गई है।

डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर रोक को किया रद्द

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव का मार्ग प्रशस्त करते हुए उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा महासंघ के चुनाव कराने पर लगाई रोक को खारिज कर दिया। न्यायाधीश अभय एस ओका और न्यायाधीश पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि वे यह नहीं समझ पा रहे कि उच्च न्यायालय ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया के महत्व को कैसे नहीं समझा। पीठ ने कहा, हरियाणा कुश्ती संघ द्वारा दायर एक रिट याचिका लंबित होने पर उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर रोक लगा दी। उच्च न्यायालय द्वारा इस पूरी चुनावी प्रक्रिया के महत्व को कैसे समझा नहीं गया।

अंधी सुरंग से उजाले का सफर

सीएम धामी और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने वहां बने मंदिर में प्रार्थना की। श्रमिक सुरंग से बाहर आए तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

24 घंटे से भी कम समय में कर दी 10 मीटर की खुदाई

रैट होल माइनिंग तकनीक बनी संजीवनी

एजेंसी | नई दिल्ली

'रैट होल माइनिंग' तकनीक अवैध हो सकती है, लेकिन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने से उसमें फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए जारी बचाव अभियान में 'रैट-होल' खनिकों की प्रतिभा और अनुभव का इस्तेमाल किया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने कहा कि 'रैट-होल' खनिकों ने 24 घंटे से भी कम समय में 10 मीटर की खुदाई करके अभूतपूर्व काम किया है। उन्होंने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा, ''रैट-होल खनन अवैध हो सकता है, लेकिन 'रैट होल' खनिकों की प्रतिभा, अनुभव और क्षमता का उपयोग किया गया है।''

2014 में एनजीटी ने लगाई थी रोक

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 2014 में मेघालय में 'रैट-होल' खनन तकनीक का उपयोग करके कोयला खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

क्या है रैट होल तकनीक

'रैट-होल' खनन में श्रमिकों के प्रवेश तथा कोयला निकालने के लिए आमतौर पर 3-4 फुट ऊंची संकीर्ण सुरंगों की खुदाई की जाती है। क्षैतिज सुरंगों को अक्सर "चूहे का बिल" कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक सुरंग लगभग एक व्यक्ति के लिए उपयुक्त होती है।

12 विशेषज्ञों को बुलाया था

उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में, मुख्य संरचना के ढह गए हिस्से में क्षैतिज रूप से 'रैट-होल' खनन तकनीक का इस्तेमाल करने के लिए ट्रेंचलेस इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और नवयुग इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 12 विशेषज्ञों को बुलाया गया। वे दिल्ली, झांसी और देश के अन्य हिस्सों से आए हैं।

निर्माण स्थलों पर हो रहा है उपयोग

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य विशाल चौहान ने बताया कि एनजीटी ने उस तकनीक से कोयला खनन, सुरंग में जाकर कोयला निकालने पर रोक लगा दी है, लेकिन इस तकनीक का उपयोग अब भी निर्माण स्थलों पर किया जाता है। उन्होंने कहा, यह एक विशेष स्थिति है, यह जीवन बचाने वाली स्थिति है...वे तकनीशियन हमारी मदद कर रहे हैं।

21 से अधिक एजेंसियां, 408 घंटे काम, तत्काल फैसले और समन्वय से काम

सिल्क्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए केंद्र सरकार में एक 'वॉर रूम' तैयार किया गया था, जिसने 408 घंटे तक लगातार काम किया है। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार को मिलाकर 21 से अधिक एजेंसियां, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रहीं। ये सभी एजेंसियां, प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ मिलकर त्वरित गति से जरूरी निर्णय लेती रहीं। बात चाहे अमेरिकी ड्रिल मशीन 'ऑगर' को सुरंग में उतारने की हो या विपरित परिस्थितियों में खुदाई के लिए 'रैट माइनर्स' की मदद लेना, ऐसे किसी भी मामले को हरी झंडी, महज साठ मिनट से भी कम समय में दे दी जाती थी। इन एजेंसियों के बीच तालमेल एक उदाहरण बन गया। इसके बाद 41 मजदूरों को बचाने की जंग शुरू हो गई। पीएम मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और कैबिनेट सेक्रेटरी

राजीव गौबा, गृह सचिव अजय भल्ला, एनडीएमए के सदस्य सैयद अता हसनैन, एनडीआरएफ चीफ और उत्तराखंड सरकार के मुख्य सचिव समेत दर्जनभर से अधिक विभागों के प्रमुखों ने सुरंग से श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की योजना बनाई। जब अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ अर्नाल्ड डिक्स को बुलाने की बात हुई, तो इस प्रपोजल को चंद मिनट में मंजूरी दे दी गई। अर्नाल्ड डिक्स के साथ छह अन्य टनल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे थे।

श्रमिकों की जीवटता को सलाम: राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राष्ट्र श्रमिकों की जीवटता को सलाम करता है और बड़े व्यक्तिगत जोखिम में भी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए उनका आभारी है। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं बचाव टीम और सभी विशेषज्ञों को बधाई देती हूं, जिन्होंने इतिहास के सबसे कठिन बचाव अभियानों में से एक को पूरा करने के लिए अविश्वसनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ काम किया।

टीम वर्क की अद्भुत मिसाल

पीएममोदी ने 'एक्स' कहा, मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।

आरआरटीएस परियोजना

धन जारी करे दिल्ली सरकार: SC

■ राजस्थान का अलवर भी जुड़ा है इस परियोजना से

एजेंसी | नई दिल्ली

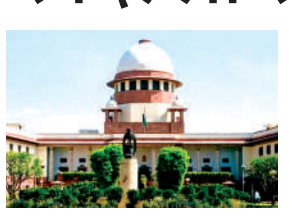

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को यह स्पष्ट कर दिया कि दिल्ली सरकार को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना के लिए धन जारी करने के उसके आदेश का आंशिक अनुपालन नहीं बल्कि पूर्ण अनुपालन करना होगा। आरआरटीएस परियोजना में दिल्ली को उत्तर प्रदेश में मेरठ, राजस्थान में अलवर और हरियाणा में पानीपत से जोड़ने वाले सेमी-हाई स्पीड रेल गलियारे शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि समस्या यह है कि दिल्ली सरकार विज्ञापनों के लिए 580 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान कर सकती है, लेकिन वह 400 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान नहीं कर सकती है, जिसका भुगतान उसे परियोजना के लिए करना है। न्यायाधीश संजय किशन कौल और न्यायाधीश सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा आपको उस पैसे के लिए दबाव बनाना होगा...जिसे आप चुकाने के लिए बाध्य हैं। यही समस्या है। आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? मुद्दा यह है कि आपने बजटीय प्रावधान क्यों नहीं किया है। शीर्ष अदालत ने 24 जुलाई को मामले की सुनवाई करते हुए आरआरटीएस कॉरिडोर में अपना हिस्सा देने में हाथ खड़े करने के लिए दिल्ली सरकार को फटकार लगाई थी और उसे दो महीने के भीतर परियोजना के लिए 415 करोड़ रुपए प्रदान करने का निर्देश दिया था।

CBI: सिंगला समेत तीन नए पुलिस अधीक्षक नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी गगनदीप सिंगला, सी. कलाइचेलवन और गौरव अभिजीत दिलीप को मंगलवार को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया। सिंगला, राजस्थान कैडर के 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं जबकि कलाइचेलवन तमिलनाडु कैडर के 2012 बैच के अधिकारी हैं। वहीं दिलीप असम-मेघालय कैडर के 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार तीन अधिकारियों को पांच साल की अवधि के लिए सीबीआई में नियुक्त किया गया है।

स्टूडेंट्स से संवाद

नई दिल्ली। *उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को संसद परिसर में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विश्विविद्यालयों के छात्रों से संवाद करते हुए।*

बढ़ेगी नौसेना की ताकत

दूसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत को मंजूरी की तैयारी

■ 40,000 करोड़ रुपए की आएगी लागत

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार लगभग 40,000 करोड़ रुपए की लागत से दूसरे विमान वाहक पोत के निर्माण के भारतीय नौसेना के प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए तैयार है, यह एक बड़ा कदम है जो हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती घुसपैठ पर बढ़ती चिंताओं की पृष्ठभूमि में आया है।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख संस्था रक्षा खरीद बोर्ड (डीपीबी) ने महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी सरकार दूसरे स्वदेशी विमान वाहक के लिए तैयार होने का संकेत है, जिसे आईएसी द्वितीय के नाम से जाना जाएगा। सूत्रों ने कहा कि मेगा खरीद प्रस्ताव जल्द ही रक्षा मंत्रालय की खरीद पर शीर्ष संस्था रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) के समक्ष रखा जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डीएसी की गुरुवार को बैठक होने की संभावना है। बैठक में आईएसी-द्वितीय के प्रस्तावपर गौर किया जाएगा।

मिसाइल विध्वंसक 'इंफाल' का अनावरण

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय नौसेना की स्टील्थ निर्देशित मिसाइल विध्वंसक 'इंफाल' के क्रेस्ट (शिखा) का अनावरण किया। यह सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों और पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लांचर से सुसज्जित है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई ने 20 अक्टूबर को यह युद्धपोत भारतीय नौसेना को सौंपा था। दिल्ली में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार की उपस्थिति में अनावरण समारोह हुआ। आईएनएस इंफाल '15बी स्टील्थ निर्देशित मिसाइल विध्वंसक परियोजना' के तहत निर्मित चार युद्धपोतों में से तीसरा युद्धपोत है।

97 तेजस मार्क- 1 ए विमान खरीदे जाएंगे

सूत्रों ने कहा कि डीएसी 1.15 लाख करोड़ रुपए की लागत से 97 तेजस मार्क-1ए विमानों के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकती है। नौसेना 45,000 टन के विस्थापन के साथ आईएसी-द्वितीय के लिए जोरदार प्रयास कर रही है। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत (आईएसी I) को सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कमीशन किया गया था।

न्याय की पहुंच पर सेमिनार...

कई देश कानूनी सहायता अधिकार पर सहमत:CJI

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने मंगलवार को कहा कि कई देशों के शीर्ष न्यायाधीश इस बात पर सहमत हैं कि कानूनी सहायता का अधिकार जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए। यह सहायता किसी आरोपी की गिरफ्तारी से पहले ही शुरू कर दी जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों को न केवल विद्यार्थियों, बल्कि जनता को भी इस बारे में शिक्षित करने की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश यहां राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 'कानूनी सहायता तक पहुंचः ग्लोबल साउथ में न्याय तक पहुंच को सशक्त बनाना' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल उपस्थित थे। सम्मेलन में कई देशों के प्रधान न्यायाधीश और न्याय मंत्रियों सहित 200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, सभी प्रधान न्यायाधीश इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कानूनी सहायता का अधिकार प्रारंभिक चरण से शुरू होना चाहिए। हमने स्वीकार किया है कि न्याय तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने में न्यायाधीशों की महत्वपूर्ण भूमिका है ।

जेकेके में गायन कार्यशाला शुरू, 80 प्रतिभागी ले रहे प्रशिक्षण

ओंकार साधना की मौसीकी में ध्रुवपद

बेधड़क | जयपुर

जब युवाओं को ध्रवपद गायिकी की मौसीकी पता चली तो रूह में उतरने वाले संगीत के बीच उन्होंने गुरु के सामने घंटों बैठकर बारीकी जानी। हर मन में इस गायिकी को लेकर सवाल भी थे, जिसके जवाब उन्होंने पाए।

ये अनूठा संगीत का नजारा देखने को मिला तब जवाहर कला केन्द्र के प्रयास कला संसार मधुरम के तहत आयोजित ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत हुई। 10 दिवसीय कार्यशाला 7 दिसंबर तक चलेगी।

इस दौरान राजस्थान की पहली ध्रुवपद गायिका का गौरव रखने वाली विशेषज्ञ प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने 80 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने की शुरुआत की।

16 प्लस उम्र के युवा कर रहे पार्टिसिपेट

केन्द्र की महानिदेशक गायत्री राठौड़, अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत व प्रशिक्षक डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने नटराज को प्रणाम करते हुए वर्कशॉप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गायत्री राठौड़ ने कहा कि केन्द्र की ओर से आयोजित कार्यशालाओं के जरिए नई पीढ़ी तक कला विधाओं को पहुंचाकर भावी कलाकार तैयार किए जा रहे हैं। 16 से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। यह युवाओं में शास्त्रीय विधा के प्रति रुझान को दर्शाता है।

संगीत की बारीकियों के गुर भी सीखे

इस मौके पर राजस्थान की ध्रुवपद परंपरा के सबसे वरिष्ठ प्रतिनिधि ध्रुवपदाचार्य पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग की शिष्य प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने बताया कि कार्यशाला में ध्रुवपद की तालीम के साथ शास्त्रीय संगीत की बारीकियों के गुर बताए जाएंगे। उन्होंने कार्यशाला का प्रारंभ परम्परानुसार आदि राग भैरव व उसके प्रकारों में ओंकार साधना से कर गणपति वैदिक स्तोत्र, गुरु वंदना व सरस्वती स्तोत्र से की। उन्होंने ध्रुवपद की विद्वानों द्वारा की गई व्याख्या व ध्रुवपद की वाणियों के स्वरूप व घरानों पर भी प्रकाश डाला। तैलंग ने कहा कि आगामी दिनों में ध्रुवपद के प्रमुख तत्वों यथा स्वर, ताल, लय, साहित्य, भाव व उसके सौंदर्य को साधने के लिए शास्त्रीय संगीत के सही अभ्यासात्मक तरीकों का बारीक प्रशिक्षण दिया जाएगा। समापन पर प्रतिभागियों की प्रस्तुति होगी।

101 प्रतिभाओं को जयपुर चॉइस अवॉर्ड से नवाजा

बेधड़क. जयपुर। अवॉर्ड मिला तो स्टेज पर स्वयं और सामने बैठे साथी व परिवारजन रोमांचित हो उठे। हर किसी ने सम्मान पाने वाले को मोटिवेट किया। मौका था जयपुर चॉइस अवार्ड-2023 का, जिसमें 101 प्रतिभाएं सम्मानित हुईं। कार्यक्रम के ब्रांड एम्बेसडर सुनील सिंह तंवर थे, जबकि मुख्य प्रायोजक राजेश सैनी डायरेक्टर रहे। फिल्म प्रोड्यूसर अमित, विशाल बोकाडिया व समाज सेविका राज कंवर राठौर मौजूद रहे। राहुल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शिप्रा पथ थाना सीआई विनोद सांखला, डाक्टर सुनील ढंड, पार्षद पवन शर्मा, मानवाधिकार आयोग के बृजेश पाठक, पूजा शर्मा, नीरजा चौधरी, लाल चन्द कुमावत आदि ने प्रोत्साहित किया। इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता को इस अभियान से जुड़कर बेटियों को समाज में आगे लाना होगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बेटियों को ज्यादा पढ़ाया नहीं जाता है। ऐसे में उनको अवेयर करने की जरूरत है।

हुसैन बंधुओं को मानद उपाधि

बेधड़क, जयपुर। एमजेआरपी यूनिवर्सिटी का 8वां दीक्षांत समारोह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर पद्मश्री रानी मुचैया, पद्मश्री उस्ताद अहमद व मोहम्मद हुसैन और पद्मश्री नेकराम शर्मा को मानद उपाधि से नवाजा जाएगा। अचरोल कैम्पस में सुबह 9:30 बजे से होने वाले दीक्षांत समारोह में 2022 बैच के यूजी और पीजी के पास आउट स्टूडेंट्स और पीएचडी धारकों को डिग्री भी दी जाएगी।

कृष्ण कुमार ने संभाला पदभार

बेधड़क. जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर भारतीय रेलवे यातायात सेवा के अधिकारी कृष्ण कुमार मीना ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। गौरतलब है कृष्ण कुमार ने इससे पहले सीनियर डीओएम जयपुर, डिप्टी सीओएम-मुख्यालय व डीओएम-एओएम-बीकानेर के पद पर कार्य किया है। उन्होंने कार्यभार संभालने के दौरान कहा उनका बेहतर यात्री सुविधाओं और बेहतर प्रशासनिक तालमेल पर फोकस रहेगा।

City इवेंट्स

मजदूर की बेटी ने जीता गोल्ड

बेधड़क. जयपुर। सवाई मानसिंह इनडोर स्टेडियम में हुई कराटे महाकुंभ सीजन 2 में जूही प्रजापति ने स्वर्ण पदक जीता। देशभर से 800 खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। जूही ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए कई राज्यों के खिलाड़ियों को हराकर 10 और 11 के आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। जूही इससे पहले भी कराटे महाकुंभ सीजन 1 में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी है। जूही द पैलेस स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा है। कोच निर्मल बोहरा और मोहन श्रेष्ठ ने जूही की इस उपलब्धि पर उसे बधाई दी। जयपुर की रहने वाली जूही के पिता मंटू प्रजापति मजदूरी करते हैं।

विशेषज्ञ RU में देंगे लेक्चर

बेधड़क, जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के उद्यमिता व कौशल विकास केन्द्र तथा मीडिया फाउंडेशन-भारतीय युवा संसद की ओर से बुधवार-गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के आरए पोद्दार प्रबन्ध संस्थान में सामाजिक उद्यमिता आत्मनिरीक्षण व भविष्य की रणनीति विषयक इंटरनेशनल सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र बुधवार को सुबह 10:30 बजे होगा, जिसके मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, मुख्य वक्ता एनडीटीवी के नेशनल एडिटर मिहिर गौतम, विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. एडी सावंत तथा अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा करेंगी। आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 300 विद्यार्थी, रिसर्च स्कॉलर तथा प्रोफेसर सहभागिता करेंगे। आयोजन के समन्वयक तथा उद्यमिता व कौशल विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. अनुराग शर्मा के अनुसार ज. नंद कुमार राष्ट्रीय संयोजक-प्रज्ञा प्रवाह का विशेष व्याख्यान होगा।

शहर को ग्रीन बनाने का संकल्प

बेधड़क, जयपुर। जयपुराइट्स ने शहर को ग्रीन बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए एक कदम और बढ़ाया। इसके लिए 24 लोगों ने श्रमदान, पेड़-पौधों में पानी डाला और सफाई का काम किया। इस दौरान 15 बड़े पानी के टैंकर लाए गए और विधाधर नगर के पेड़ो में पानी डाला गया। साथ ही श्रमदान करते हुए 2 पिकअप से मलवा उठाते हुए सफाई की गई। इस दौरान ट्री एंबुलेंस ने दोपहर एक बजे तक विद्याधर नगर की गलियों के पेड़ों की सार-संभाल की। टीम 10 ट्री एम्बुलेंस सोसायटी के मैंबर्स ने ओरों को भी श्रमदान करने और शहर को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। सुबह मॉर्निंग वॉक पर आने वाले लोगों को ग्रीनरी का महत्व बताया गया और क्षेत्र की ग्रीनरी की जानकारी दी गई।

जोगियों ने चलाया प्राचीन संगीत का जादू

लोकगीत सुनाकर युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का प्रयास

बेधड़क | जयपुर

बेधड़क, जयपुर। बुजुर्ग सुल्तान जोगी ने अपनी खनकदार आवाज में देहाती जननायक दुल्ला धाडी की कथा सुनाकर नई पीढ़ी पर लोक संगीत के जादू को जागृत कर दिया।

भगवान, सुल्तान, अशोक, सुमेर और जय नारायण जोगी ने संगत प्रोग्राम के दौरान झालाना के युवाओं को परंपरागत लोकगीत और लोकभजन सुनाकर उनको संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। पीपुल्स मीडिया थिएटर के बैनर तले सखी बाल निकेतन स्कूल में बच्चों और स्लम की महिलाओं के लिए आयोजित संगत में कलाकारों ने पूंगी, सारंगी, पेटी बाजा, ढोलक और चिमटे पर शिवजी का ब्यावला, राजा गोपीचंद और योगीराज भरथरी के कथा गीतों के साथ आमजन में गाए जाने वाले लोक भजन सुनाएं।

विशेष आकर्षण बकरी की खाल से बना लोकवाद्य पूंगी मशक था। संयोजक और राजस्थान फोरम के प्रतिनिधि अशोक राही ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य पुरानी गायिकी, पुराने लोक वाद्य और प्राचीन लोक गाथाओं को नई पीढ़ी के सामने लाना था, ताकि उनका अपनी समृद्धि जन संस्कृति से परिचय हो सके।

प्रोग्राम में रंगकर्मी यशवंत सिंह, नितिन सैनी और हनुमान का किरदार निभा चुके आधार कोठारी प्रमुख आदि भी पहुंचे। सखी बाल निकेतन के संयोजक गोपाल सिंह, सुनीता यादव और बस्ती के बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने वाले युवा शिक्षकों ने मेहमान कलाकारों का स्वागत किया।

गर्ल्स ने बांटे 500 सेनेटरी नैपकिन्स

समर्पित समूह बनाकर जरूरतमंद वुमंस तक पहुंची स्वयंसेविकाएं

बेधड़क | जयपुर

कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सामाजिक पहल के रूप में 'सेनेटरी नैपकिन वितरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस दौरान आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद महिलाओं को 500 सेनेटरी नैपकिन्स का वितरण किया गया। स्वयंसेविकाओं ने समाज सेवा के रूप में इस परियोजना को संचालित किया। नैपकिन्स के वितरण में एनएसएस इकाइयों ने शहरों के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया और जरूरतमंदों को पहचानने के लिए समर्पित समूह बनाए। इसके अलावा उन्होंने स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया, जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्हें स्वच्छता के महत्व का अनुभव हुआ। पहल के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राएं समाज के साथ जुड़कर उपयोगी योगदान कर रहे हैं और महिलाओं को स्वस्थ बनाने में मदद कर रहे हैं। आयोजन में कॉलेज की 25 स्वयं सेविकाओं की भागीदारी निभाते हुए उत्साह से महिलाओं को अवेयर किया। सामाजिक पहल में शामिल होकर महिलाओं को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सामग्री पहुंचाने में सहायता करने का प्रयास को उन्होंने परिवर्तन के रूप में देखा। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने सशक्त नारी समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नैपकिन वितरण कार्यक्रम से समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आंचल पुरी, विजयलक्ष्मी गुप्ता, डॉ. रेनू शक्तावत और महिमा रामचंदानी ने नेतृत्व किया।

एसएफ दिगम्बर जैन मंदिर | जयकारों के साथ श्रीजी की शोभायात्रा निकाली

महामंडल विधान में 500 इन्द्र-इन्द्राणियों ने की पूजा

बेधड़क | जयपुर

एसएफ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका 105 भरतेश्वरी माताजी के सानिध्य सिद्ध चक्र महामंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन किया गया। इस मौके पर आयोजक नरेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, अनुज कुमार कासलीवाल फागी वाले परिवारजनों ने अक्षय पुण्यार्जन प्राप्त किया। मानसरोवर एसएफएस के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे 8 दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान का प्रतिष्ठाचार्य कमलेश जैन बनारस के दिशा निर्देश में पूरा किया गया।

चंचला लक्ष्मी से पुण्यार्जन

विधान के सहभागी निहाल सरिता जैन ने बताया कि विधान के आयोजकों ने चंचला लक्ष्मी सदुपयोग कर पुण्यार्जन प्राप्त किया है। सिद्ध चक्र महामंडल विधान में करीब 500 इन्द्र-इन्दाणियों ने पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

देश-विदेश से आए भक्त

कार्यक्रम में जयपुर, बैंगलुरु, गुरुग्राम, अमेरिका, बगरू, सांगानेर, फागी, चाकसू, कोटा, रेनवाल लालसोट, चकवाड़ा, रेनवाल, लदाना सहित अनेक शहरों व देशभर के साथ ही विदेश से भी श्रद्धालु आए। बाद में आर्यिकाश्री से भक्तजनों ने आशीर्वाद लिया।

विश्व शांति यज्ञ में दीं आहुतियां

इससे पहले सुबह श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की गई। साज-सज्जा के द्वारा विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा विधान के समापन होने के बाद विश्व शांति महायज्ञ में श्रृद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित की। बाद में श्रीजी की शोभा यात्रा निकाली गई और जयकारों के साथ श्रावक श्राविकाएं मंगल गीत गाते पहुंचे तथा आर्यिकाश्री के सानिध्य में मुख्य मंगल कलश विराजमान किया गया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, बुधवार, 29 नवंबर, 2023

हारा वही, जो लड़ा नहीं।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इजराइल की दो टूक: बंधकों की रिहाई के बाद आतंक के खिलाफ जारी रहेगी जंग

इजराइल-हमास युद्ध विराम की अवधि 2 दिन बढ़ाई

युद्ध विराम के बीच गाजा में लोग कई दिनों बाद बाहर निकले। युद्ध से मची तबाही का मंजर देखता गाजा नागरिक।

गाजा में घरों से बाहर निकले लोग

युद्ध विराम के बीच गाजा सिटी और उत्तरी हिस्सों में रह रहे लोग अपने घरों से बाहर निकले और उन्होंने इजराइली युद्ध में मारे गए अपने संबंधियों को ढूंढकर उनके शव दफनाए। उत्तरी गाजा की फुटेज में दिख रहा है कि करीब हर इमारत क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई है। युद्ध शुरू होने के बाद से 13,300 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें करीब दो तिहाई महिलाएं एवं नाबालिग हैं।

■ तीसरी बार पश्चिम एशिया का दौरा करेंगे एंटनी ब्लिंकन

एजेंसी । तेल अवीव

बंधक बनाए गए और लोगों को छोड़े जाने के हमास के वादे के बीच इजराइल के साथ उसका युद्ध विराम समझौता पांचवें दिन मंगलवार को जारी रहा। हमास द्वारा बंधक बनाकर रखे गए लोगों और इजराइल की जेलों में बंद फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली के दो और दौर के वादे के साथ दोनों पक्ष युद्ध विराम समझौते की अवधि को बुधवार तक बढ़ाने पर सहमत हुए लेकिन इजराइल ने साथ ही कहा है कि सभी बंधकों की रिहाई के बाद वह हमास को नष्ट करने के लिए ''पूरी ताकत'' के साथ युद्ध बहाल करेगा। गाजा में युद्ध विराम समझौते की अवधि दो दिन बढ़ाए जाने के बाद इसमें और विस्तार की उम्मीदें पैदा होने के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस सप्ताह पश्चिम एशिया का पुनः दौरा करेंगे। इजराइल और हमास के बीच पिछले महीने युद्ध शुरू होने के बाद से यह ब्लिंकन का क्षेत्र में तीसरा दौरा होगा।

हमास के कब्जे में अब भी 160 बंधक

हमास और अन्य आतंकवादियों के कब्जे में अब भी करीब 160 बंधक होने की आशंका है और यह संख्या कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते की अवधि को संभवतः दो सप्ताह तक बढ़ाने के लिए पर्याप्त है लेकिन इन बंधकों में कई सैनिक शामिल हैं और हमास उनकी रिहाई के एवज में अपनी मांग बढ़ा सकता है। हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था।

हमास ने 70 तो इजराइल से 150 बंधक रिहा

इजराइल ने कहा है कि प्रत्येक अतिरिक्त 10 बंधकों की रिहाई के लिए युद्ध विराम की अवधि को एक दिन आगे बढ़ाया जा सकता है। युद्ध विराम समझौते के तहत 51 इजराइली बंधकों एवं अन्य देशों के 19 बंधकों को रिहा किया जा चुका है। इसके अलावा इजराइली जेलों से 150 फलस्तीनियों को रिहा किया गया है।

बर्फ में फंसे वाहन, विद्युत पोल टूटे, शहरी क्षेत्र जलमग्न

रूस-यूक्रेन में समुद्री तूफान

■ 20 लाख लोग अंधेरे में रहने को मजबूर

एजेंसी । कीव

काला सागर क्षेत्र में मंगलवार को समुद्री तूफान के आने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एक दिन पहले आए तूफान ने क्रीमिया, रूस और यूक्रेन में 20 लाख से अधिक लोगों को बिना बिजली के रहने के लिए मजबूर हैं। एक 'थिंक टैंक' ने कहा कि इस मौसम का असर रूसी सैन्य अभियानों पर भी पड़ा है। अधिकारियों ने कहा कि तूफान से जुड़ी घटनाओं में रूस और यूक्रेन में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। इसके कारण तटीय इलाकों में बाढ़ आने के साथ पेड़ों के गिरने और बिजली के तार टूटने की घटनाएं सामने आई हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और इंजीनियर उन गांवों में बिजली बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं जहां आपूर्ति आपूर्ति ठप हो गई है। बर्फीले तूफान की तबाही से अब तक 2,500 लोगों को बचाया गया।

अब तक 14 लोगों की मौत

भारी बर्फबारी और तूफान में फंसे वाहन

एक रिपोर्ट के मुताबिक कुल 1,530 फंसे हुए वाहनों को बाहर निकाला गया है। माइकोलाईव और किरोवोहराद क्षेत्रों में आठ राजमार्ग बंद हैं, और ओडेसा क्षेत्र में दो प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित है। देश के 11 क्षेत्रों में करीब 411 बस्तियों में मंगलवार सुबह तक बिजली नहीं थी।

रूस का सैन्य अभियान प्रभावित

रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिहाज से क्रीमिया रूस के लिए एक प्रमुख सैन्य और साजोसामान केंद्र है। 'इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर' (आईएसडब्ल्यू) ने कहा कि तूफान से हुए नुकसान ने यूक्रेन में अग्रिम मोर्चे पर सैन्य अभियानों की गति को प्रभावित किया है, लेकिन सैन्य गतिविधि को पूरी तरह से नहीं रोका गया है। वाशिंगटन स्थित 'थिंक टैंक' आईएसडब्ल्यू ने बताया कि तूफान ने रूस को अपने सभी नौसैनिक पोतों और मिसाइल वाहकों को सैन्य अड्डों पर लौटने के लिए मजबूर कर दिया। उसने कहा कि काला सागर में बारूदी सुरंगों के इधर-उधर होने का खतरा बढ़ गया है।

इमरान की पार्टी के चुनाव जल्द

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ बल्ले को अपने चुनाव चिह्न के रूप में बरकरार रखने के लिए 20 दिन की समय सीमा के भीतर पार्टी के आंतरिक चुनाव कराने पर सहमत हो गई है। पीटीआई की कोर कमेटी का यह फैसला ईसीपी के फैसले के कुछ दिनों बाद आया है।

जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण स्थगित

एजेंसी । सियोल

दक्षिण कोरिया ने अपने पहले सैन्य जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण स्थगित कर दिया है। इसका प्रक्षेपण बृहस्पतिवार को होना था। कुछ दिन पहले ही उत्तर कोरिया ने अपने पहले जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का दावा किया था। 'स्पेसएक्स' के साथ एक अनुबंध के तहत, दक्षिण कोरिया को 2025 तक पांच जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने हैं। 'स्पेसएक्स' के फाल्कन 9 रॉकेट का उपयोग करके इसका पहला प्रक्षेपण अमेरिका में कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग वायुसेना अड्डे से होना था। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि मौसम की स्थिति के कारण प्रक्षेपण विलंबित हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि प्रक्षेपण इस शनिवार के लिए अस्थायी रूप से पुनर्निर्धारित किया गया है लेकिन यह कोई निश्चित तारीख नहीं है। द.कोरिया के पास फिलहाल अपना कोई जासूसी उपग्रह नहीं है और वह उत्तर कोरिया पर नजर रखने के लिए अमेरिकी जासूसी उपग्रहों का आंशिक रूप से सहारा लेता है।

चांद के गड्ढों में कहां से आया पानी!

चंद्रयान-3 के डेटा से मिलेगा जवाब

एजेंसी । वॉशिंगटन

चंद्रमा पर एक स्पेस स्टेशन का निर्माण सुनने में किसी साइंस फिक्शन फिल्म के जैसा हो सकता है। अलबत्ता, हर नया चंद्रमा मिशन इस विचार को वास्तविकता के करीब ले जाता है। वैज्ञानिक स्थाई रूप से छाया वाले इलाकों में विशाल बर्फ के भंडार की खोज कर रहे हैं। चंद्रमा पर किसी भी तरह के टिकाऊ बुनियादी ढांचा की स्थापना के लिए ये महत्वपूर्ण हो सकता है। अगस्त 2023 में भारत का चंद्रयान दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतरा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यहां बर्फ के भंडार हो सकते हैं। यह लैंडिंग सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

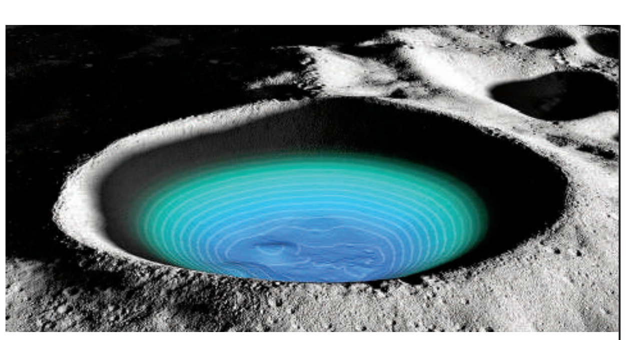

धूमकेतू टकराए थे चांद से!

कोलोराडो बोल्डर यूनिवर्सिटी में खगोल भौतिकी और ग्रह विज्ञान के सहायक प्रोफेसर पॉल हेने की टीम वायुमंडलीय और अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला में यह समझने की कोशिश कर रही है कि आखिर पानी कहां से आया। माना जाता है कि ये पानी धूमकेतु या एस्टेरॉयड से आया जो चांद से टकराए होंगे। इनमें से हर घटना अपने पीछे एक विशिष्ट रासायनिक फिंगरप्रिंट छोड़ती है। इसलिए अगर हम उन फिंगरप्रिंट को देख सकें तो पानी के स्रोत का पता चल सकता है।

विक्रम लैंडर ने खोजा सल्फर

पानी की तरह चंद्रमा पर सल्फर एक अस्थिर तत्व है। क्योंकि चंद्रमा की सतह पर यह आसानी से वाष्पीकृत होकर अंतरिक्ष में खो जाता है। इस वजह से इसके चंद्रमा के सिर्फ ठंडे हिस्से में जमा होने की उम्मीद है। विक्रम लैंडर किसी छाया वाली जगह पर नहीं उतरा। इसने 69.37 डिग्री दक्षिण अक्षांश पर मिट्टी के दानों में सल्फर की पहचान की थी। वैज्ञानिक इस डेटा से उत्साहित है। उनका मानना है कि सल्फर चंद्रमा के पानी के स्रोत की ओर इशारा कर सकता है।

प्राचीन मूर्तियों को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद

PM सुनक की यूनान के साथ मुलाकात रद्द

एजेंसी । लंदन

प्राचीन यूनानी मूर्तियों 'एल्गिन मार्बल्स' को वापस करने की मांग को लेकर उपजे विवाद के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश की यात्रा पर आए यूनान के अपने समकक्ष किरियाकोस मित्सोताकिस के साथ अपनी प्रस्तावित मुलाकात को कथित रूप से रद्द कर दिया है। एथेंस में पार्थेनन की प्राचीन यूनानी मूर्तियां उन विवादित ऐतिहासिक वस्तुओं में शुमार हैं जिन्हें ब्रिटिश राजनयिक लॉर्ड एल्गिन 19वीं सदी की शुरुआत में अपने देश ले आए थे और उन्हें अपना अंग्रेजी नाम दे दिया था।

पार्थेनन मूर्तियां अब ब्रिटिश संग्रहालय का हिस्सा हैं और यूनान लंबे वक्त से इन्हें लौटाने की मांग कर रहा है ताकि एथेंस में एक्रोपोलिस म्यूज़ियम (संग्रहालय) में उन मूर्तियों की शृंखला को पूरा किया जा सके। यह भारत के कोहिनूर हीरा और उन अन्य ऐतिहासिक कलाकृतियों को भी लौटाने की मांग की याद दिलाता है जिन्हें औपनिवेशिक शासन के समय भारत से ले जाया गया था।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl